हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 56, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 17 अगस्त, 2022 दिन बुधवार गाजीपुर/वाराणसी

आइटीबीपी जवानों को ले जा रही बस खाई में गिरी, 6 बलिदान, कई गंभीर

सभी जवान वार्षिक अमरनाथ के सफल आयोजन के लिए यात्रा मार्ग पर थे तैनात

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के जिला अनंतनाग में पहलगाम के पास हुए एक सड़क हादसे में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के करीब 6 जवान बलिदान हो गए जबकि 35 अन्य घायल हैं। घायलों में दो जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान भी शामिल हैं। घायलों में कुछ हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को अनंतनाग जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये सभी जवान वार्षिक अमरनाथ के सफल आयोजन के लिए यात्रा मार्ग पर तैनात थे। बलिदानियों व घायलों की पहचान फिलहाल जाहिर नहीं की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जम्मू-कश्मीर पुलिस की बस में सवार ये जवान जब चंदनबाड़ी से पहलगाम की ओर निकले तो रास्ते में पहलगाम मार्ग पर स्थित फ्रिसलन के पास बस ड्राइवर वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा। ऐसा बताया जा रहा है कि बस की ब्रेक फेल हो गए थे। ड्राइवर बस की स्पीड पर काबू नहीं पा सका और बस खाई में जा गिरी। बस लिद्दर नदी के किनारे गिरी। दुर्घटना के तुरंत बाद भी स्थानीय

लोग बचाव कार्य के लिए खाई में उतर गए थे। इस बीच आइटीबीपी के दूसरे जवानों, पुलिस व सेना को भी सूचित कर दिया गया। सभी ने बस में सवार सभी घायल जवानों को मुख्य सड़क तक लाया और वहां से उन्हें अनंतनाग जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने छह जवानों को बलिदानी घोषित कर दिया जबकि 35 का इलाज चल रहा है। घायलों में अभी भी कुछ हालत गंभीर बताई जा रही है। एसडीपीओ पहलगाम फहद टाक ने पहलगाम सड़क हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि करीब छह जवानों की इस सड़क हादसे में मौत हो गई जबकि 35 अन्य घायल हैं, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा उन्होंने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। जिन जवानों की हालत गंभीर बनी हुई थी, उन्हें अनंतनाग जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार प्रदान करने के बाद हेलीकाप्टर के जरिए श्रीनगर सैन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

सेब के बाग में काम कर रहे कश्मीरी हिंदू भाइयों पर आतंकियों ने बरसाई गोलियां, एक की मौत दूसरा गंभीर

जम्मू। कश्मीर में गैर मुस्लिमों को निशाना बनाने का सिलसिला रूकने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार को एक बार फिर आतंकियों ने दो कश्मीरी हिंदू भाइयों पर गोलियां बरसा दी। इस हमले में एक भाई की अस्पताल पहुंचने पर मौत हो गई जबकि दूसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। अभी तक इस हमले की किसी आतंकी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है जबकि आशंका जताई जा रही है कि इस हमले के पीछे लश्कर के हिट स्कवाट टीआरएफ का हाथ हो सकता है। यह हमला शोपियां के चोटीगाम में उस समय हुआ जब सुनील कुमार पुत्र अर्जुन नाथ और उसका भाइ पिंटु कुमार अपने घर के पास ही अपने सेबों के बाग में काम कर रहे थे। तभी वहां पर हथियार बंद आतंकी पहुंचे और उन्होंने दोनों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हमले को अंजाम देने के बाद आतंकी मौक से भाग निकले और गोलियों की आवाज सुनकर जब आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो वहां दोनों भाइ खून से लथपथ मिले।दोनों को तुरंत स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन वहां पर जांच के बाद डाक्टरों ने सुनील कुमार को मृत लाया घोषित कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल हुए दूसरे भाई पिंटु कुमार को अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है जबकि इस हमले के बाद पुलिस व सेना ने घेराबंदी कर आतंकियों की तलाश शुरू कर दी है। सुरक्षाबलों को आशंका है कि आतंकी हमले के बाद आसपास के ही इलाके में कहीं छिपे होंगे। कश्मीर में टारगेट किलिंग के मामले लगातार सामने आ रहे हैं और यही कारण है कि इस समय कश्मीर में काम कर रहे गैर कश्मीरी व कश्मीरी हिंदू भी जम्मू पहुंच चुके हैं। ये कर्मी सरकार से उन्हें सुरक्षा मुहैया करवाने की मांग को लेकर पिछले तीन महीनों से प्रदर्शन भी कर रहे हैं।सोमवार देर शाम को भी कश्मीर के बडगाम जिले के गोपालपोरा में आतंकियों ने ग्रेनेड हमला किया था जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय का सदस्य घायल हो गया था।

नीतीश कैबिनेट में विभागों का बंटवारा- तेजस्वी को मिला स्वास्थ्य, तेज प्रताप बने वन व पर्यावरण मंत्री

पटना। बिहार की महागठबंधन सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार मंगलवार को राजभवन में संपन्न हुआ। इसके लिए 31 मंत्रियों की लिस्ट देर रात ही फाइनल हो चुकी थी। मंगलवार को लिस्ट में शामिल मंत्रियों ने समूहों में शपथ ली। शपथ लेने वाले मंत्रियों में लालू प्रसाद यादव के बेटे तेज प्रताप यादव शामिल हैं। शपथ लेने वाले मंत्रियों की सूची में उपेंद्र कुशवाहा का नाम नहीं था। शपथ ग्रहण के बाद मंत्रियों में विभागों का बंटवारा भी कर दिया गया है। तेज प्रताप यादव वन व पर्यावरण मंत्री बनाए गए हैं। महागठबंधन की पिछली सरकार में तेज प्रताप के पास रहा स्वास्थ्य विभाग इस बार उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के पास है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गृह विभाग अपने पास रखा है। शपथ लेने वाले 31 मंत्रियों में जनता दल यूनाइटेड के 11, राष्ट्रीय जनता दल के 16, कांग्रेस के दो तथा हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के एक मंत्री का फामूर्ला बनाया गया। एक निर्दलीय को भी मंत्रिमंडल में जगह दी गई। छूट गए कई बड़े चेहरों को अगले मंत्रिमंडल विस्तार में जगह दी जानी है। शपथ ग्रहण के पहले आरजेडी व जेडीयू के बीच गृह विभाग को लेकर फंसा पेच सुलझा लिया गया। हमेशा की तरह गृह विभाग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पास ही रखा है। नीतीश कुमार को गृह के अलावा सामान्य प्रशासन, मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी, निर्वाचन तथा वैसे सभी विभाग, जो किसी को आवंटित नहीं हैं, मिले हैं।बदले में आरजेडी के खाते में विधानसभा अध्यक्ष का पद गया है। सूत्र बताते हैं कि अवध बिहारी चौधरी महागठबंधन सरकार में विधानसभा अध्यक्ष बनाए जाएंगे। बताया जा रहा है कि आरजेडी के चंद्रशेखर शिक्षा मंत्री बनाए गए हैं। मंत्रिमंडल में आरजेडी कोटे से लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को स्वास्थ्य मंत्री बनाया जाने की बात की जा रही थी, लेकिन उन्हें वन व पर्यावरण मंत्री बनाया गया है। महागठबंधन की पिछली सरकार में स्वास्थ्य विभाग तेज प्रताप के पास था, जो इस बार तेजस्वी के पास गया है। तेजस्वी यादव को स्वास्थ्य, पथ निर्माण, नगर विकास तथा ग्रामीण कार्य के चार विभाग दिए गए हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने दी पारसी नव वर्ष की बधाई, बेहतर स्वास्थ्य व समृद्धि की कामना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पारसी नव वर्ष-नवरोज के अवसर पर लोगों को बधाई दी। उन्होंने सभी के लिए खुशी, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की

कामना की। पीएम मोदी ने ट्विटर पर कहा, 'पारसी नव वर्ष की बधाई। आने वाला साल खुशियों, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य से भरा हो। नवरोज मुबारक'

इससे पहले, नवरोज की पूर्व संध्या पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नागरिकों को बधाई दी और कहा कि पारसी समुदाय ने अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और उद्यमिता के माध्यम से राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एक संदेश में राष्ट्रपति ने कहा, 'पारसी नव वर्ष के शुभ अवसर पर, मैं अपने सभी साथी नागरिकों, विशेषकर हमारे पारसी भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। पारसी समुदाय ने हमारे विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और उद्यमिता के माध्यम से भारत की समावेशी संस्कृति सभी नागरिकों को एक साथ रहने के लिए प्रेरित करती है।' बता दें कि पारसी नव वर्ष जिसे नवरोज के नाम से भी जाना जाता है, नए फारसी कैलेंडर की शुरूआत को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है। फारसी भाषा में 'नव' का अर्थ है नया, और 'रोज' का अर्थ है दिन, यानी 'नया दिन'। यह वसंत विषुव के स्ट्रोक पर शुरू होता है जब सूर्य भूमध्य रेखा को पार करता है। नवरोज या नवरोज एक ईरानी और फारसी नव वर्ष है, जो वसंत की शुरूआत और लोगों और विभिन्न समुदायों के बीच शांति, एकजुटता और दोस्ती को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक दिन है। यह दिन वसंत की शुरूआत और प्रकृति के नवीनीकरण के लिए समर्पित है। नवरोज कैलेंडर के पहले महीने के पहले दिन मनाया जाता है और उसके बाद पारसी लोग आते हैं।

तिरंगा बांटने पर महिला तथा पति को सिर धड़ से अलग करने की धमकी, दहशत में परिवार

लखनऊ। देश की आजादी के 75 वर्ष के जश्न के बीच में प्रदेश में देश विरोधी जीव भी सक्रिय हो गए हैं। कुशीनगर में जहां कुछ लोगों ने पाकिस्तान का झंडा फहराया तो बिजनौर में तिरंगा बांटने के अभियान में लगी एक महिला को सिर धड़ से अलग करने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने पत्र के नीचे आइएसआइ लिखा है। बिजनौर के किरतपुर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता महिला और उसके पति 13 तथा 14 असग्त को घर-घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के कार्यक्रम में लगे थे। दंपती काफी जोश में हर घर जाकर तिरंगा झंडा बांट रहे थे। इसी दौरान उनके घर के बाहर किसी से कागज चिपकाया। घर घर झंडा बांटने पर सिर तन से अलग करने का तुगलकी फरमान का पर्चा चिपका था। यह पर्चा मिलते ही परिवार के लोग काफी दहशत में आ गए हैं। इसी प्रकार के दो पर्चे और चिपके मिले। बिजनौर के मोहल्ला बुद्धूपाड़ा निवासी शशि आंगनबाड़ी कार्यकता हैं। उनके पति अरुण कश्यप उर्फ अन्नु होटल चलाते हैं। शनिवार को दोनों ने अपने मोहल्ले में घर-घर जाकर झंडा वितरित किया था। रविवार सुबह उनके घर के बाहर एक पर्चा चिपका मिला। जिसमें लिखा था की अन्नु तुझे बहुत घर-घर तिरंगा देने की बहुत खुशी है। तेरा भी सिर तन से अलग करना पड़ेगा। इसी के नीचे लिखा था आईएसआई के साथी। इसी प्रकार के दो पर्चे और घर के सामने ठेली पर तथा एक चाय की दुकान पर भी चिपका मिला। तीनों में नाम अन्नु ही लिखा था। अरुण कश्यप का कहना है कि जिसने भी ऐसी हरकत की है वो जल्द पुलिस की गिरफ्त में होना चाहिए। पीड़ित ने यह भी बताया कि उनका परिवार दहशत के कारण घर से नहीं निकल पा रहा है। धमकी के बाद अरुण कश्यप का पूरा परिवार छोटे से कमरे में कैद हो गया है। परिवार की आंखों और चेहरे पर खौफ व दहशत की लकीरें साफतौर से देखी जा सकती है।

यूपी, एमपी, बिहार सहित कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मानसून की बारिश कहर बरपा रही है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन तक दिल्ली, हिमाचल, बिहार के कई इलाकों, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक सहित कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे लो प्रेशर की वजह से मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और उत्तरी महाराष्ट्र के इलाके में अगले दो दिनों तक एक्टिव मानसून की स्थति बरकरार रहने वाली है, जबकि उसके बाद बारिश की गतिविधियां कम होंगी। उत्तर प्रदेश की बात करें तो आज कई जिलों में भारी बारिश की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को दिन भर बादल छाए रहेंगे। कई इलाकों में हल्की वर्षा हो सकती । हवा की गति 20 से 30 किमी प्रतिघंटा एवं पारा 34 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। उमस भरी गर्मी से राहत बनी रह सकती है। उत्तर प्रदेश में इस हफ्ते भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के

मुताबिक मंगलवार और बुधवार को यूपी के अलग-अलग स्थानों पर गरज-चमक के साथ भारी बारिश के आसार हैं। वहीं बिजली गिरने की भी आशंका है। इसके साथ ही राज्य के दूसरे हिस्से में बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में कानपुर नगर, कानपुर देहात, लखनऊ, बाराबंकी, आयोध्या, गोंडा, बस्ती, अंबेडकरनगर, सीतापुर, शाहजहांपुर, एटा, आगरा, मथुरा, हाथरस, अलीगढ़, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, मैनपुरी, जालौन, फरुर्खाबाद, हरदोई, कन्नौज, उन्नाव, और कासगंज में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही बांदा, चित्रकूट, प्रयागराज, सोनभद्र, मिजार्पुर और आस-पास के इलाकों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इसे देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। बिहार में पिछले कुछ दिनों से सुस्त पड़ा मानसून अब एक्टिव हो गया है। मौसम विभाग ने राज्य में मंगलवार को 14 जिलों में हल्की आंधी के साथ अच्छी बारिश होने की संभावना है। इसमें भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, गया, नवादा, नालंदा, जहानाबाद, बेगूसराय, लखीसराय और शेखपुरा शामिल है।

सरिया लदा ट्रक मकान में घुसा, रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर समेत चार की मौत, 6 घायल

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में सोमवार की देर रात बड़ा सड़क हादसा हुआ। यहां सरिया से लदा एक ट्रक बेकाबू होकर सड़क किनारे बने मकान में घुस गया। हादसे में रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर और उनकी पत्नी समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, कुरावली थाना इलाके के खिरिया पीपर गांव में सोमवार देर रात सरिया से लदा ट्रक मकान में घुस गया। हादसे में मकान स्वामी रिटायर्ड उपनिरीक्षक विश्राम सिंह (61), उनकी पत्नी विनोद कुमारी (58), ट्रक चालक कवींद्र पुत्र मुन्नूलाल निवासी रुद्रपुर, विष्णुगढ़ जिला कन्नौज, परिचालक अंकित पुत्र प्रमोद निवासी कुंदरकोट अहिरवां, जिला औरैया की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि छह अन्य घायल हैं। मैनपुरी एसपी कमलेश दीक्षित ने बताया कि सरिया से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने एक मकान में घुस गया। हादसे में घर में सो रहे रिटायर्ड सब-इंस्पेक्टर और उनकी पत्नी की मृत्यु हो गई। ट्रक में सवार दो लोगों की भी जान गई है। जबकि छह लोग घायल हैं। ट्रक में आठ लोग सवार थे। मैनपुरी सीएमओ पीपी सिंह ने बताया कि वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद छह लोगों को अस्पताल लाया गया। चार मामूली रूप से घायल जबकि दो की हालत गंभीर है। घायलों में मुनेश कुमार पुत्र शेर सिंह (35) निवासी रुद्रपुर विशुन गढ़ जिला कन्नौज, रामनारायण पुत्र प्रेम चंद्र (35) निवासी रुद्रपुर विशुन गढ़ जिला कन्नौज, संजीव पुत्र सामंत सिंह (40) निवासी रुद्रपुर कन्नौज, सुनील पुत्र भावर सिंह (24) भोजपुर कन्नौज, देवेंदर पुत्र गंगा सिंह (40) रुद्रपुर विशुन गढ़ कन्नौज और अखिलेश पुत्र राजेश कुमार (19) निवासी रुद्रपुर विशुनगढ़ कन्नौज शामिल हैं। मौके पर पुलिस जेसीबी के सहारे मलबे को हटा रही है, मलबे में अब भी एक शख्स के दबे होने की आशंका है। घटना के बाद रात में आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए।

योगी की कैबिनेट बैठक में 16 प्रस्तावों पर लगी मुहर, एक होंगी तीन बिजली कंपनियां

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक लोकभवन में सम्पन्न हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में बिजली विभाग के रामनगरी अयोध्या के साथ ही शिक्षा विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के प्रस्तावों पर मुहर लगी है। मंगलवार को आयोजित इस कैबिनेट बैठक में 16 प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई है। कैबिनेट बैठक में विभिन्न विभागों के कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। आज कैबिनेट बैठक में कई अहम विषयों पर चर्चा भी की गई। माना जा रहा था कि एक दर्जन से अधिक प्रस्ताव में से दस पर मुहर लगेगी, लेकिन कैबिनेट ने 16 प्रस्ताव पर सहमति दे दी है। स्वास्थ्य तथा शिक्षा से जुड़े प्रस्ताव के साथ ही अयोध्या तथा वाराणसी से जुड़े प्रस्ताव पर भी कैबिनेट अपनी मुहर लगा दी है। अब अयोध्या तथा वाराणसी के

विकास कार्य और गति पकड़ेंगे। अयोध्या के विजन 2047 को भी नई उड़ान मिलेगी।

कैबिनेट बैठक की जानकारी देते ऊर्जा मंत्री अरविन्द शर्मा ने बताया कि तीन कंपनियों को मर्ज कर एक कंपनी बनाया जाएगा। राज्य उत्पादन विद्युत निगम, जल विद्युत उत्पादन निगम तथा जवाहर विद्युत उत्पादन निगम को जोड़कर एक कंपनी बनाया जाएगा। तीनों अब एक कंपनी के रुप में कार्य करेंगी। अब यह यूपी राज्य उत्पादन विद्युत निगम के नाम से जानी जाएंगी। ऊर्जा विभाग ने गुड गवर्नेंस की दिशा में तीन बिजली उत्पादन कंपनियों को एक करने का फैसला किया है। अब उप्र राज्य विद्युत निगम उत्पादन निगम लिमिटेड, जवाहरपुर विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड और उप्र जल विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड तीनों ही कम्पनियों का विलय होगा। इससे प्रशासनिक क्षमता बढ़ेगी, खर्च कम होंगे। विलय के बाद उप्र राज्य विद्युत निगम उत्पादन निगम लिमिटेड बनेगा। इसके साथ ही कैबिनेट बैठक में प्रतापगढ़ के मंधाता को नई नगर पंचायत बनाने तथा जौनपुर में नगर पालिका परिषद मुंगराबादशाहपुर का विस्तार करने पर भी सहमति बनी है।

महंगाई की एक और मार, अमूल के बाद मदर डेयरी ने भी बढ़ाए दूध के दाम

नई दिल्ली। महंगाई से जूझ रही आम जनता को एक और झटका लगा है। भारत की बड़ी डेयरी कंपनियों में से एक अमूल का दूध और महंगा हो गया है। अमूल ने दूध की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। कंपनी ने दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया है। नई कीमतें 17 अगस्त से लागू होंगी।

अमूल कंपनी की तरफ बताया गया कि गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन अमूल ब्रांड नाम के तहत दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। अहमदाबाद और गुजरात के सौराष्ट्र, दिल्ली एनसीआर, पश्चिम बंगाल, मुंबई और अन्य सभी बाजारों में दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। कंपनी ने बताया है कि आधा लीटर अमूल गोल्ड की नई कीमत अब 31 रुपये होगी। अमूल ताजा की नई कीमत 25 रुपये/आधा लीटर हो गई है। अमूल काउ मिल्क के आधे लीटर पैक की नई कीमत 27 रुपये होगी। अमूल शक्ति के आधा लीटर पैकेट की कीमत 28 रुपये हो जाएगी। अमूल द्वारा दाम बढ़ाए जाने के बाद अन्य कंपनियां भी दूध के दाम बढ़ा सकती हैं। अमूल के बाद मदर डेयरी ने भी दूध की कीमतों में बढ़ोतरी एलान किया है। मदर डेयरी ने दूध की कीमतें 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दी है। नई कीमतें 17 अगस्त से लागू होंगी। वहीं, अमूल ने अपने बयान में कहा कि संचालन और उत्पादन की लागत बढ़ने के कारण दूध के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ाए गए हैं। पिछले वर्ष की तुलना में पशु आहार की लागत लगभग 20 प्रतिशत तक बढ़ गई है। इनपुट लागत में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए हमारी यूनियन के सदस्यों ने पिछले वर्ष की तुलना में किसानों को दी जाने वाली कीमतों में 8-9 फीसद की वृद्धि की है।

संपादकीय

मौत की डोर

कोई भी खेल किसी के लिए मनोरंजन का मामला हो सकता है, लेकिन अगर वह सिलसिलेवार तरीके से कुछ दूसरे लोगों के लिए जानलेवा साबित होने लगे तो इसे खेलने वालों को इसके तौर-तरीकों को लेकर नए सिरे से सोचने की जरूरत है। वहीं, सरकार को मनोरंजन के ऐसे जरिए को सीमित, नियंत्रित या विशेष स्थितियों में प्रतिबंधित भी करने के बारे में विचार करना चाहिए। हमारे यहां कुछ खास मौकों पर पतंग उड़ाने के खेल को एक सांस्कृतिक उत्सव के तौर पर देखा जाता है। इस लिहाज से इसे मन को खुशी देने वाला आयोजन होना चाहिए था। लेकिन आजकल पतंग उड़ाने के लिए जिस तरह के मांझे से लैस धागों का इस्तेमाल किया जा रहा है, वह कई बार आसमान में उड़ते पक्षियों से लेकर राह चलते इंसानों तक के लिए नाहक ही जान जाने की वजह बनने लगा है। ऐसे ही धागे से बीते कुछ दिनों के भीतर अकेले राजधानी दिल्ली में सड़क पर अपने वाहन से कहीं जा रहे चार लोगों का गला कट गया और उनकी मौत हो गई। सवाल है कि मनोरंजन के ऐसे साधनों को किस हद तक छूट मिलनी चाहिए, जो लोगों की जान जाने की वजह बन रहे हों। इस साल मांझे की चपेट में आकर होने वाली मौतों की घटनाएं कोई नई नहीं हैं। इन हादसों के बाद सरकार सख्ती के नाम पर चीनी मांझे के खिलाफ सख्ती बरतने और इस पाबंदी लगाने की बात करती है, मगर फिर कुछ दिनों बाद मामला शांत पड़ जाता है। भारत में रक्षा बंधन और स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जब से सामान्य धागों के बजाय चीनी मांझे के जरिए पतंग उड़ाना शुरू किया गया है, तब से यह अक्सर कुछ लोगों के लिए जानलेवा साबित होने लगा है। दरअसल, पतंग उड़ाने के लिए इस्तेमाल में लाए जा रहे धागों पर जिस तरह का मांझा चढ़ा होता है, वह किसी तेज धार वाले हथियार से कम असर का नहीं होता है। खासतौर पर जब मोटरसाइकिल पर सवार कोई व्यक्ति अपनी राह जा रहा होता है तो सावधानी के बावजूद उसकी नजर उड़ रही या कटी पतंग के गुजरते धागे पर नहीं भी जा सकती है। जबकि अगर वह धागा उसके गले से लग कर तेजी से गुजर जाए या लिपट जाए तो उसकी रगड़ गला और उसके संवेदनशील नसों को तुरंत काट देती है। विडंबना यह है कि कुछ लोग अपनी पतंग को कटने से बचाने के लिए तीखे मांझे वाले धागे का इस्तेमाल तो करते हैं, मगर यह नहीं समझ पाते कि यह धागा किसी राह चलते व्यक्ति की जान भी ले सकता है। यह मांझा नायलान और मैटेलिक पाउडर से मिला कर बनाया जाता है। यह चूंकि जल्दी से टूटता या कटता नहीं है, इसलिए लोग अपनी पतंग को बचाने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। आम धारणा है कि ऐसे मांझे केवल चीन में बनते हैं। लेकिन सच यह है कि अब ये भारत में भी बनते हैं। 2017 में चीनी मांझे पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेश के बाद इस पर पाबंदी लगा दी गई थी। मगर अब भी इसके खुलेआम बिकने और इस्तेमाल में कोई कमी नहीं आई है। आए दिन जिस तरह ये मांझे वाले धागे लोगों की मौत की वजह बन रहे हैं, उसमें जरूरत इस बात की है कि सरकार इसके खिलाफ कोई सख्त कानूनी पहल करे। साथ ही आम लोगों को भी यह समझने की जरूरत है कि अगर उनका मनोरंजन किसी के लिए जानलेवा भी हो सकता है, तो वे उसमें बदलाव करें। साधारण धागों से उड़ाए जाने वाले पतंग ही इस खेल के उतार-चढ़ाव का वास्तविक आनंद दे सकते हैं।

होगा करना काम !

बंट गए मंत्रालय ।
होगा करना काम ।।
शुरू कामकाज अब ।
है बनाना नाम ।।
बन गई है बात ।
और सहमति आम ।।
करना है कुछ अलग ।
ना बनना नाकाम ।।
नयी साझेदारी ये ।
क्या खिलाती गुल ?
बना फिर से अभी ।
अलग कुछ उसूल ।।
होगी पूरी कोशिश ।
बनना असरदार ।।
चल रही जो पारी ।
तय अब यादगार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

युवा शक्ति का अमृत-काल

अच्छी बात है कि हम मूल्यपरक पुरानी सभ्यता के एक युवा राष्ट्र हैं। चुनौतियों को स्वीकार करने और बाधाओं से पार पाने की क्षमता भारतीयों में अद्भुत है। भारत विश्व के सबसे बड़े बाजारों में शुमार है, साथ ही नवाचार युक्त उत्पादन का केंद्र बनता जा रहा है। यह सच है कि देश में अब भी उद्यमिता विकास, कौशल विकास और रोजगार सृजन के क्षेत्र में बड़ा काम होना है और इसमें युवाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी। देश ने आजादी के पचहत्तर साल पूरे कर लिए। इसे मनाने के लिए पचहत्तर हफ्ते पहले आजादी के अमृत महोत्सव की शुरूआत बड़े हर्षोल्लास से हो गई थी। देश के युवाओं को समर्पित इस महान अभियान की शुरूआत प्रधानमंत्री ने 12 मार्च, 2021 को अहमदाबाद के साबरमती आश्रम से की थी, क्योंकि 12 मार्च को ही महात्मा गांधी ने दांडी यात्रा शुरू की थी। मौजूदा समय हमारे इतिहास का एक ऐसा मोड़ है, जब भारत विश्वशक्ति बनने के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके चार मुख्य कारण हैं। एक, भारत पूरे संकल्प, समर्पण और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ वैश्विक शक्ति बनने के मार्ग पर अग्रसर है। दूसरा, दुनिया की सर्वाधिक युवा आबादी भारत में है। कुल जनसंख्या का करीब छियासठ फीसद, यानी लगभग पचहत्तर करोड़ भारतीय पैंतीस वर्ष से कम उम्र के हैं। इन नौजवानों को अमूमन हमारी सबसे बड़ी ताकत माना जाता है। यही कारण है कि दुनिया भारत के भविष्य को लेकर आशान्वित है।

युवा किसी भी देश में जनसंख्या का सबसे महत्त्वपूर्ण और गतिशील वर्ग है। बड़ी युवा आबादी वाले विकासशील देशों में जबरदस्त वृद्धि देखी जा सकती है, बशर्ते वे युवाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य में निवेश करें और उनके अधिकारों की रक्षा करें। उन्हें भविष्य को बदलने के लिए अच्छे स्वास्थ्य और अवसर कौशल के संदर्भ में आवश्यक समर्थन की आवश्यकता है। तीसरे, देश में अत्यंत सकारात्मक वातावरण है, सरकारी नीतियां, जैसे कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, आधारभूत ढांचे का विकास, स्टार्टअप नीति, ईज आफ डूइंग बिजनेस आर्थिक उन्नति करने में सक्षम हैं। आज देश के पास काम करने के लिए अधिक हाथ उपलब्ध हैं। यानी कामकाजी उम्र की आबादी आश्रित आबादी से बड़ी है।

भारत की अर्थव्यवस्था, जनसांख्यिकी और सरकार का सक्रिय समर्थन एक फलते-फूलते स्टार्टअप वातावरण की स्थापना के लिए व्यापक अवसर प्रदान करते हैं। सरकार की सकारात्मक नीतियों का परिणाम है कि भारत में अब आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त 38,756 स्टार्ट-अप हैं- 27 यूनिकार्न के साथ, जिनमें से आठ ने 2020 में यह दर्जा हासिल किया है- और यह वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा ह्यटेक स्टार्टअप हबह्ल है। चौथा कारण है, भारत की प्रतिष्ठा पूरे विश्व में बढ़ी है। आज वैश्विक विषयों पर भारतीय प्रधानमंत्री की सलाह अत्यंत महत्त्वपूर्ण रहती है। देश में निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। भारत विश्व में तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और निवेशकों की बड़ी पसंद के रूप में उभरा है। अच्छी बात है कि हम मूल्यपरक पुरानी सभ्यता के एक युवा राष्ट्र हैं। चुनौतियों को स्वीकार करने और बाधाओं से पार पाने की क्षमता भारतीयों में अद्भुत है। भारत विश्व के सबसे बड़े बाजारों में शुमार है, साथ ही नवाचार युक्त उत्पादन का केंद्र बनता जा रहा है। आज भारत से प्रतिवर्ष पंद्रह लाख इंजीनियर और चौबीस हजार के करीब पीएचडी निकलते हैं। श्रम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, प्रत्येक माह दस लाख नए श्रमिक श्रम बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। यह सच है कि देश में अब भी उद्यमिता विकास, कौशल विकास और रोजगार सृजन के क्षेत्र में बड़ा काम होना है और इसमें युवाओं की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी। अच्छी बात है कि इस दिशा में कार्य तेजी से शुरू हो गया है। देश हमारे लिए सब कुछ है, यह भावना प्रथम होनी चाहिए। युवाओं में देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा होना भी जरूरी है। देश के युवाओं को सही राह दिखाते हुए सकारात्मक राह पर अग्रसर करने की बहुत अधिक जरूरत है। तभी हम आजादी के सही मायने समझ और युवाओं के दिल और दिमाग में उतर पाएंगे। आज के चुनौतीपूर्ण वातावरण में युवाओं को भौतिकतावाद से दूर रह कर खुद को कड़ी मेहनत, देशभक्ति, समर्पण और मूल्य आधारित जीवन के मार्ग पर ले जाने की बड़ी आवश्यकता है, तभी हम आजादी के अमृत महोत्सव की प्रासंगिकता को सार्थक कर पाएंगे। यह सब युवाओं के जज्बे से ही संभव होगा।

अब भी ऐसे बहुत सारे युवा हैं, जो आजादी के संघर्ष को करीब से नहीं जानते और बलिदान की कहानियों से बिल्कुल अनभिज्ञ हैं, इसलिए आजादी के अमृत महोत्सव के माध्यम से उन सभी को आजादी के सही मायने समझाना बहुत जरूरी है। अगर हमारे युवाओं को यह पता न चले कि आजादी कितने संघर्षों के बाद प्राप्त हुई है, कितने बलिदानों के बाद मिली है, तो वे आजादी का सही मूल्य नहीं समझेंगे। आजादी के अमृत महोत्सव के माध्यम से हम आज की युवा पीढ़ी को यह बता सकते हैं कि भारत को आजादी के लिए कितना संघर्ष करना पड़ा और आजादी के बाद भी भारत ने किन-किन चुनौतियों का सामना किया।

कैसे देशवासियों ने उन चुनौतियों को अवसरों में बदल कर भारत को वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने हेतु देश को प्रगति पथ पर अग्रसर किया है। यह सभी गुमनाम नायकों को याद करने और उन्हें सम्मान देने का अवसर है। अपना सर्वोच्च बलिदान कर इन वीर सेनानियों ने स्वतंत्र भारत का ख्वाब देखा और भारत को अपने संघर्ष का परिणाम मिला- भारत ब्रिटिश शासन से मुक्त होकर 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र हो गया। इस महत्त्वपूर्ण आयोजन के विषय में प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र का गौरव तभी जागृत होता है, जब हम अपने स्वाभिमान और बलिदान को याद करते और उसे अगली पीढ़ी को बताते हैं। उन्होंने हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को पूरा करने के लिए भारत के युवाओं से आग्रह करते हुए कहा कि ह्यदेश के स्वतंत्रता सेनानियों ने एक समृद्ध भारत के सपने को संजोया था। देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन महापुरुषों के सपनों को पूरा करने के लिए हमें बहुत कुछ करना है। युवाओं से आग्रह है कि वे देश भर में इस अभियान को फैलाएं।ह्ल आजादी का अमृत महोत्सव यह अवसर देता है कि हम अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपने इतिहास को और करीब से जानें, क्योंकि जब आप आजादी के संघर्ष के बारे में पढ़ेंगे तो पता चलेगा कि कितनी माताओं ने अपने जवान बेटों को देश पर कुर्बान किया, कितनी बहनों ने अपने भाइयों को देश के लिए न्योछावर किया, कितने बच्चे अनाथ हुए और कितने सिंदूर उजड़ गए। पता चलेगा कि भारत ने कैसे-कैसे वीरों को जन्म दिया, उन लोगों में इतना आत्मविश्वास था, देश को लेकर इतना प्रेम था कि उन्होंने अपने प्राणों का उत्सर्ग करने के लिए तनिक भी नहीं सोचा। भारत की उपलब्धियां आज सिर्फ हमारी अपनी नहीं, बल्कि ये पूरी दुनिया को रोशनी दिखाने वाली हैं, पूरी मानवता के लिए उम्मीद जगाने वाली हैं। हम भारतीय चाहे देश में रहें या फिर विदेश में, हमने अपनी मेहनत से खुद को साबित किया है, सर्वत्र अपनी सफलता के झंडे गाड़े हैं। हमें अपने संविधान, अपनी लोकतांत्रिक परंपराओं पर गर्व है। भारत की आत्मनिर्भरता से ओतप्रोत हमारी विकास यात्रा पूरी दुनिया की विकास यात्रा को गति देने वाली है।

बालश्रम की दलदल में फंसे बच्चे

शहरों में अमूमन बड़े-बड़े कल-कारखानों, रेस्तरां, किराना दुकानों, ढाबों में काम करते हुए ऐसे बच्चे देखे जाते हैं, जिनकी उम्र या तो पढ़ाई करने की होती है या खेलने-कूदने की। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी अक्सर खेतों में, छोटे-छोटे निर्माण उद्योगों और किराना दुकानों में चौदह वर्ष या इससे कम उम्र के बच्चे काम पर लगे होते हैं। कम उम्र के ऐसे बच्चे, जो मजबूरी में श्रम में लगे हैं, बाल श्रमिक के रूप में परिभाषित किए जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने बालश्रम को मुख्य रूप से ऐसे कार्य के रूप में परिभाषित किया है, जो बच्चों को उनके बचपन या बाल्यावस्था से वंचित तथा उनके मानसिक और शारीरिक विकास को अवरुद्ध कर देता है। बालश्रम बच्चों को मानसिक, शारीरिक, सामाजिक या नैतिक रूप से कमजोर बना तथा उनके आत्मबल को नेस्तनाबूद कर देता है। ऐसे बच्चे स्कूलों की चौखट से प्रायः दूर ही रहते हैं। स्कूली शिक्षा पूर्ण न होने के चलते उन्हें खुद के अधिकारों के बारे में भी जानकारी नहीं होती है, जिसका खामियाजा उन्हें जीवन के हर मोड़ पर भुगतना पड़ता है। जिन बच्चों के अभिभावक नहीं होते, वैसे बच्चों को बालश्रम के सबसे निकृष्ट और भयावह रूपों को सहना पड़ता है। प्रायः ऐसे बच्चों के साथ दासों जैसा व्यवहार किया जाता है। ऐसे बच्चों को खतरनाक कामों में लगाने के वास्ते इनकी खरीद-ब्रिकी तक की जाती है। आतंकवादियों के हाथ लग जाने पर इन्हें मानव बम के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। वहीं निराश्रित छोटी बच्चियों की खरीद-फरोख्त कर वेश्यावृत्ति जैसे निंदनीय कामों में धकेल दिया जाता है, जो इनके जीवन को जोखिम में डाल देता और इनके मानवीय अधिकारों का खुलेआम गला घोंटता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21(ए) में प्रावधान है कि छह से चौदह वर्ष की आयु के सभी बच्चों को निश्शुल्क और अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी राज्य की है। इसके अलावा भारतीय संविधान के भाग 3 में अनुच्छेद 23 मानव के दुर्व्यवहार के साथ-साथ बालश्रम को भी प्रतिबंधित करता है और कानूनी व्यवस्था देता है कि बालश्रम करवाने या करने को मजबूर करने वाले को सलाखों के पीछे कैद किया जाए। अनुच्छेद 24 में भी चौदह वर्ष से कम आयु के बालकों या बालिकाओं को कारखानों, खानों और जोखिम भरे कामों में नियोजन करने को प्रतिषेध किया गया है।

अनुच्छेद 39 में प्रावधान किया गया है कि चौदह वर्ष से कम आयु के बालकों की सुकुमार अवस्था का दुरुपयोग न किया जाए। इन संवैधानिक प्रावधानों के बावजूद बालश्रम पर पूर्णतया अंकुश लगाने

में सरकारें पूर्णतः सफल नहीं रही हैं। जिन नाजुक हाथों में किताबें होनी चाहिए, उन्हीं कोमल हाथों में हथौड़ा देखा जाना आम बात है। मजबूरी और परिवार के हालत के आगे नतमस्तक होने वाले बच्चे शौक से बाल मजदूरी नहीं करते हैं। सरकार की नाकामियों और परिवार की मजबूरी उन्हें कम उम्र में पत्थर तोड़ने को विवश कर देती है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष द्वारा विश्व बाल निषेध दिवस के अवसर पर 12 जून को एक वैश्विक अनुमान ह्य2020 प्रवृत्तियां और आगे की राहह्ल शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई। इस रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि दुनिया भर में सोलह लाख बच्चे मजबूरी में पेट पालने के लिए मजदूरी करने को विवश हैं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बाल मजदूरी करने वालों की अधिकतर संख्या उपसहारा अफ्रीकी देशों में है। वैश्विक स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में बालश्रम की व्यापकता शहरी क्षेत्रों की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक होने की बात भी इस रिपोर्ट में कही गई है। भारत में पांच से चौदह वर्ष आयु वर्ग के करीब एक लाख बच्चे बाल मजदूरी करने को विवश हैं। भारत में बाल मजदूरी का प्रसार उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश जैसे राज्यों में अधिक है। यूनिसेफ के मुताबिक पूरी दुनिया के लगभग बारह फीसद बच्चे सिर्फ भारत में बाल मजदूरी में लगे या लगाए हुए हैं। यों तो बालश्रम जैसी सामाजिक बुराई को खत्म करने के लिए सरकारी स्तर पर कई प्रयास किए गए, पर सांस्थानिक स्तर पर किए गए ये प्रयास अभी तक महज कागजी ही साबित हुए हैं। स्वतंत्र भारत में पहली बार 1948 में कारखाना कानून के माध्यम से पंद्रह वर्ष से कम उम्र के बच्चों को काम पर लगाने को गैरकानूनी घोषित किया गया। तत्पश्चात खान अधिनियम (1952) द्वारा सभी प्रकार की खानों में बालकों के नियोजन को प्रतिबंधित किया गया। बीड़ी तथा सिगार कर्मकार अधिनियम (1966) इस प्रकार के उद्योगों में बच्चों को काम पर लगाए जाने को प्रतिबंधित करता है। वर्ष 1979 में सरकार ने बालश्रम को रोकने के उपायों पर विचार करने के लिए गुरुपद स्वामी समिति का गठन किया। इस समिति ने सरकार को बताया कि जब तक गरीबी रहेगी, तब तक बाल मजदूरी को रोकना संभव नहीं दिख रहा है। समिति ने यह भी कहा कि कानून के जरिए इन्हें जड़ से खत्म करना संभव नहीं है। समिति का सुझाव था कि जोखिमपूर्ण कार्यों में बच्चों को काम पर लगाना पूर्णतः वर्जित किया जाए तथा गैर-प्रतिबंधित क्षेत्रों में बालकों की कार्य स्थिति, समय, मजदूरी बेहतर हो। गुरुपद स्वामी समिति की सिफारिश पर ही 1986 में बालश्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) कानून बनाया गया था। इस कानून के माध्यम से यह तय हुआ कि घरेलू इकाइयों को छोड़ कर अन्य सभी क्षेत्रों में चौदह वर्ष से कम उम्र के बच्चों से जबरन या उनकी सहमति से काम करवाना कानूनन जुर्म है। इस कानून के उल्लंघन पर दोषी व्यक्ति को तीन माह से एक वर्ष तक कारावास या दस से बीस हजार रुपए जुमार्ना या दोनों हो सकता है। बेतहाशा बढ़ते बालश्रम को नियंत्रित करने के उद्देश्य से सरकार ने बाल श्रम (प्रतिषेध और विनियमन), संशोधन अधिनियम 2016 पारित किया। इसमें प्रावधान किया गया कि सभी व्यवसायों में चौदह वर्ष से कम उम्र के बच्चों और खतरनाक व्यवसायों तथा प्रक्रियाओं में अठारह वर्ष से कम उम्र के बच्चों की नियुक्ति दंडणीय अपराध है।

गुमी हुई आजादी की कीमत सबने पहचानी थी – डॉ.आरसी पांडेय

देश को आजाद हुए 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं।इस उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव पूरे जोश-खरोश के साथ मनाया जा रहा है।इस महोत्सव का मकसद आजादी के मूल्यों को जनमानस तक पहुंचाना है।आजादी के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के तप,त्याग व उनके बलिदान की कहानी से प्रेरणा प्राप्त करना है।आजादी की संघर्ष गाथा प्रत्येक भारतीयों का गौरव गान बन गया है।आज जब देश का कोना-कोना आजादी के उत्सव से सराबोर हो गया है।तब हमें आजादी के लिए हुए संघर्षों का भी स्मरण करना चाहिए।हम सब जानते हैं की भारत को आजादी किसी तोहफे में नहीं मिली थी इसके लिए अंग्रेजी हुकूमत से लोहा लेना पड़ा था।एक व्यापक जनांदोलन के फलस्वरूप आजादी निखरी थी। न जाने कितने वीर सेनानियों ने अपने सर्वस्व न्योछावर कर विदेशी सत्ता को घुटने टेकने को मजबूर कर दिया था।अंग्रेजी राज में जब अन्याय,अत्याचार,शोषण व दमन चरम पर पहुंच गया तब चारों तरफ से आजादी का बिगुल बज उठा।हिंदी कवियों ने भी स्वतंत्रता की अलख जगाने के लिए देश प्रेम से ओतप्रोत कविताएं लिखी।भारतेंदु हरिश्चंद्र ने भारतीयों को जागृत करने का आह्वान करते हुए लिखा कि 'डूबत भारत नाथ बेगी जागो अब जागो/आलस - दाव एही दहन हेतु चहुं दिसि सों लागो'।विदेशी सत्ता के काले कारनामों से भारत की स्थिति दयनीय बन गई थी।ऐसे में डूबते भारत को उबारने के लिए भारतेंदु ने भारत वासियों को जागृत करना चाहते हैं।भारतीयों की सजगता,जागरूकता व आपसी एकता से ही पराधीनता में डूबे भारत को निकाला जा सकता था।स्वाधीनता की लड़ाई जैसे-जैसे तेज होती गई वैसे-वैसे हिंदी कविता में स्वतंत्रता की चेतना भी तीव्र होती गई।अब कवि किसी भी कीमत पर आजादी से समझौता नहीं करना चाहता था।द्विवेदी युग में भारतेंदु युगीन 'चिरजीवी रहो विक्टोरिया रानी' (प्रताप नारायण मिश्र) व 'रिपन गयो जब से उत हाय/तब से बिपत परी उत हाय '(प्रेमघन) वाली राजभक्ति की विवशता देखने को नहीं मिलती

है।यहां आजादी के लिए आर-पार की लड़ाई का उद्घोष है।बालकृष्ण शर्मा नवीन ' विप्लव गायन' में ब्रिटिश हुकूमत को उलट-पुलट देना चाहते हैं।वहीं नाथूराम शर्मा शंकर ने आजादी के लिए देश प्रेमियों से प्राणों का बलिदान देने का आह्वान करते हैं।कहना न होगा कि न जाने कितनों आजादी के दीवानों के बलिदान से भारत को आजादी मिली है।इस आजादी को कायम रखना भारतवासियों की सामूहिक जिम्मेदारी है।आजादी अनमोल है।इसकी कीमत पराधीनता के दौर में पहचानी गई जिसके चलते संघर्ष का रास्ता तैयार हुआ।कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान की पंक्तियां 'गुमी हुई आजादी की कीमत सबने पहचानी थी /दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी' भारतीयों के मजबूत इरादों व फौलादी संकल्पों की तरफ इशारा करती हैं।स्वतंत्रता आंदोलन भारतीयों के साहस,त्याग बलिदान,संघर्ष व देश प्रेम की कहानी है।जिसे आत्मसात करके ही देश की प्रगति में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की जा सकती है।उपर्युक्त आजादी के मूल्य रूपी अमृत पान से आज की चुनौतियों से निबटा जा सकता है।आजादी के अमृत महोत्सव में प्रत्येक जन अपनी भागीदारी कर गौरवान्वित महसूस कर रहा है।यह गैरव का भाव देश प्रेम की निशानी है।लगभग दो सौ वर्षों की गुलामी के कारण अभी भी कुछ लोगों की मानसिकता गुलामी वाली ही है।इसलिए वे भारतीय संस्कृति,परंपरा,वेश भूषा,खानपान व भाषा को नफरत भरी नजरों से देखते हैं।ऐसे में आजादी के अमृत महोत्सव से प्रेरणा लेकर गुलामी के विष खत्म करना जरूरी बन जाता है।कवि गयाप्रसाद शुक्ल सनेही जब लिखते हैं कि 'जो भरा नहीं है भावों से/बहती जिसमें रसधार नहीं/

वह हृदय नहीं है पत्थर है/

जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं' तो वे स्वदेश के प्रति अनुराग के भाव को बढ़ावा देना चाहते हैं।देश की परंपरा,संस्कृति,भाषा और वहां के निवासियों से लगाव अथवा देश के हर कण- कण से आत्मीयता ही देश प्रेम का भाव है। कहना न होगा की देश के प्रति अपने कर्तव्यों के पालन में ही देश प्रेम का भाव निहित है।गुलामी के दौर में भारतीयों ने आजादी की कीमत पहचानते हुए व्यापक संघर्ष किया था।आज जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है तब आजादी के संघर्षों,मूल्यों व आदर्शों को आत्मसात करना अत्यंत आवश्यक बन गया है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

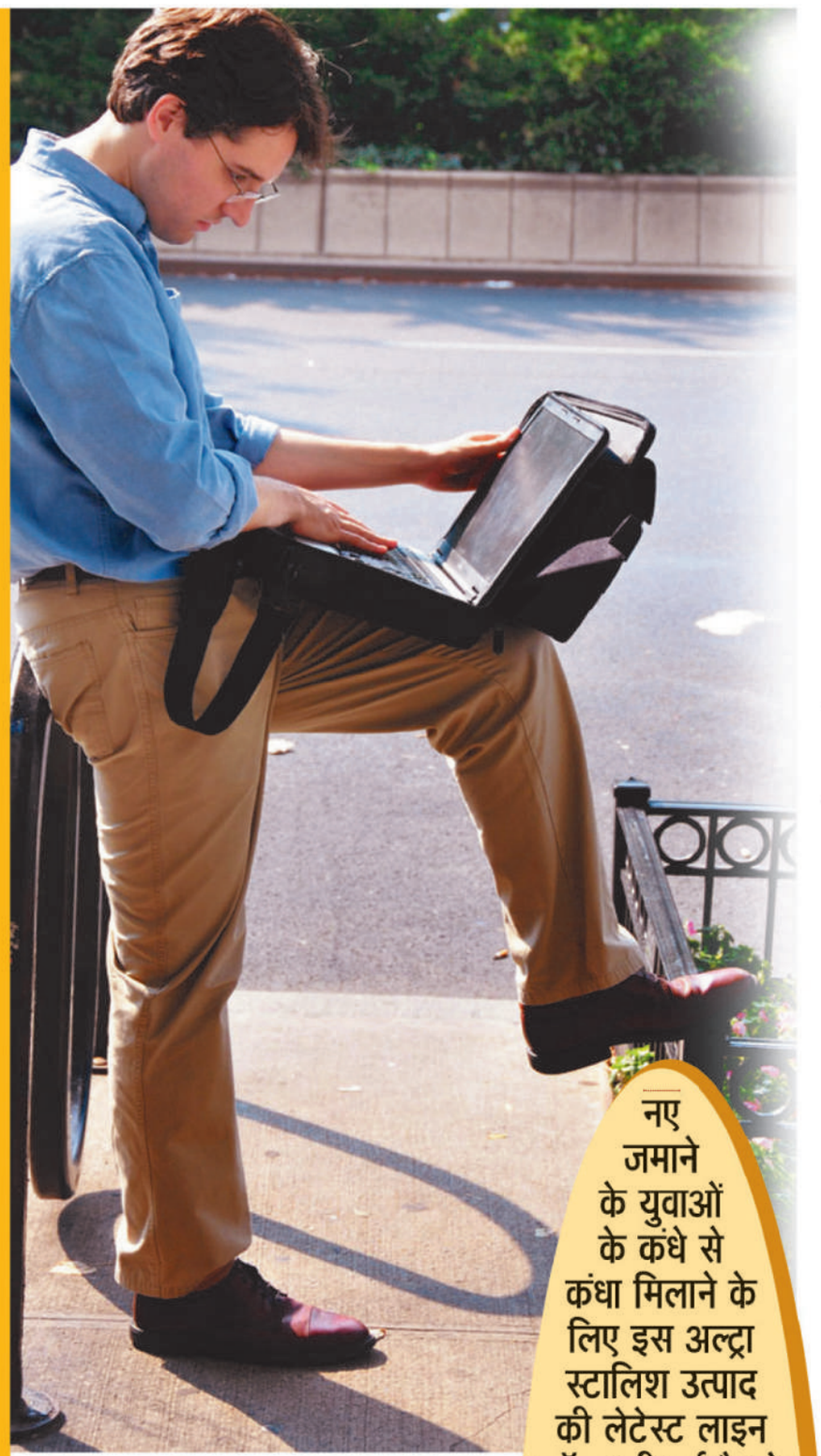

स्टाइल से कैरी करें

लैपटॉप

नए जमाने के युवाओं के कंधे से कंधा मिलाने के लिए इस अल्ट्रा स्टालिश उत्पाद की लेटेस्ट लाइन लॉन्च की गई है जो न सिर्फ सुविधाओं से लैस है, बल्कि अपना स्टाइल बढ़ाने और एक फैशन एसेसरी के तौर पर भी इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। यह नया कलेक्शन आपके लैपटॉप और लैपटॉप एसेसरीज की मौसम और खरोंचों से सुरक्षा भी करेगा और वह भी स्टाइल के साथ।

डिजिटल लाइफस्टाइल की आदी हो चुकी इस जनरेशन को अपने लैपटॉप सॉफ्ट गुड्स की मदद से स्टाइलिश बनाने का बीड़ा उठाया है बेल्किन ने।

बेल्किन ने फैशन डिजाइनर और बॉलीवुड के स्टाइल गुरु रॉकी एस के साथ मिलकर अपने ट्रेंडी और स्टाइलिश लैपटॉप बैग्स और स्लीव्स की लेटेस्ट श्रृंखला लॉन्च की। रॉकी एस और मॉडल्स ने बेल्किन के शानदार लैपटॉप बैग और स्लीव्स का नया स्टाइल रैंप पर दिखाया।

नए जमाने के युवाओं के कंधे से कंधा मिलाने के लिए इस अल्ट्रा स्टालिश उत्पाद की लेटेस्ट लाइन लॉन्च की गई है जो न सिर्फ सुविधाओं से लैस है, बल्कि अपना स्टाइल बढ़ाने और एक फैशन एसेसरी के तौर पर भी इनका इस्तेमाल किया जा सकता है। यह नया कलेक्शन आपके लैपटॉप और लैपटॉप एसेसरीज की मौसम और खरोंचों से सुरक्षा भी करेगा और वह भी स्टाइल के साथ।

फिर चाहे यह 360 डिग्री ऑर्गेनाइजेशन सिस्टम वाले टॉप, लोअर और मेसेंजर बैग हों या अतिरिक्त शोल्डर स्ट्रैप वाले बैकपैक हों या फिर ईजी एक्सेस पॉकेट और सुरक्षा के लिहाज से परफेक्ट स्लिम प्रोफाइल नेट बुक स्लीव उपलब्ध हो जिसे अलग से भी उपयोग में लाया जा सकता है या अपने सूटकेस में भी रखा जा सकता है। बेल्किन के पास आधुनिक उपभोक्ता की स्टोरेज जरूरतों के हिसाब से स्टाइलिश बिजनेस कैजुअल सोल्यूशन भी मौजूद हैं।

प्रोफेशनल छात्रों और अन्य ऐसे उपभोक्ता जो जो अपने लैपटॉप बैग को कई कामों के लिए और फैशन एसेसरी की तरह उपयोग करते हैं, उन्हें बेल्किन की यह नई लाइन दोस्तों और प्रोफेशनल्स के बीच नया स्टाइल आइकन बनने में मदद करेगी।

इस बारे में बेल्किन इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर मोहित आनंद ने कहा, ‘आज के युवा लैपटॉप बैग को सिर्फ अपने लैपटॉप रखने के झोले की तरह उपयोग नहीं करते, बल्कि उसे स्मार्ट हैंडबैग, फैशन एसेसरी और मल्टी परपस बैग की तरह काम में लाते हैं। हमारी यह नई लाइन इनके फैशन और स्टाइल स्टमेंट के साथ अच्छी तरह ताल-मेल बिठाएगी। और जब फैशन गुरु रॉकी एस का साथ भी हमारे उत्पाद को मिला तो जाहिर है कि हमारी यह नई श्रृंखला युवाओं के बीच ट्रेंड सेट करने में मददगार साबित होगी।

सफलता की सीढ़ी

जनसंपर्क से चढ़ें

जनसंपर्क की दुनिया मे स्थान बनाने के लिए आप संगठन के जनसंपर्क विभाग या पेशेवर फर्म के जनसंपर्क विभाग में शामिल हो सकते हैं, जो ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करता हैक। ऐसी एजेंसियां व्यक्तिगत तौर पर भी कार्य करती हैं। प्रारंभ में व्यक्ति को ट्रेनी के रूप में रखा जाता है। कई ऐसे सरकारी और गैर सरकारी संगठन हैं जो जनसंपर्क अधिकारी के रूप में उम्मीदवार को संस्थान से जोड़ते हैं। इस क्षेत्र में उच्च योग्यता होने के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र से भी जुड़ सकते हैं।

सभी को अपने शब्दों पर पूरा विश्वास होता है,अगर ऐसा ही कुछ विश्वास आपको है, तो बेशक एक सफल कैरियर के रूप में चुनें जनसंपर्क का जादुई क्षेत्र आइए जानते हैं कि जनसंपर्क के क्षेत्र में आपके लिए कैसी संभावनाएं हैं। जनसंपर्कचुनौतियों से भरा एक बेहतर कैरियर है। अगर कहा जाए यह किसी की छवि बनाने का कार्य भी होता है। जो मुख्यत: शब्दों को खेल होता है। हम किसी न किसी तरीके से अपने परिवार साथियों तथा सहकर्मियों के साथ जनसंपर्क के नियम लागू करते हैं।

जनसंपर्क आखिर है क्या?

व्यावसायिक दृष्टि से जनसंपर्क (पब्लिक रिलेशन) प्रबंधन का ऐसा साधन है जिससे कॉर्पोरेट संगठन सरकार तथा कुछ सीमा तक व्यक्ति की छवि बनाने में सहायक मिलती है। अब तो राज्य सरकारों ने भी जनमानस पर अनुकूल छाप छोड़ने के लिए जनसंपर्क कार्यों को महत्व देना शुरू कर दिया है। जनसंपर्क के माध्यम से संगठन सभी से संपर्क बनाए रख सकता है। इस वर्ग में ऐसे लोग सेवाओं का लाभ उठाते हैं या जो संगठन में निवेश करते हैं और यहां तक कि इस वर्ग में उस संगठन के कर्मचारी भी हो सकते हैं। ग्लोबलाइजेशन के दौर ने जनसंपर्क का क्षेत्र ओर अधिक व्यापक बना दिया है। आज जीवन के हर क्षेत्र में जनसंपर्क को महत्व दिया जाने लगा है। इस कार्य क्षेत्र में कंपनी से लेकर उत्पाद जनता परियोजना या विचारों तक सब कुछ शामिल हैं। लोकप्रिय छवि बनाने केअलावा जनसंपर्क संगठन और इसके काम को सही आकार व्यवहार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

क्या हो आपकी खासियत?

परिस्थिति कैसी भी हो कंपनी कोई भी फैसला लेने से पहले जनसंपर्क विभाग से सलाह और सेवाएं जरूर लेती हैं, इसलिए जनसंपर्क कार्य से जुड़ व्यक्ति के पास दबाव के समय भी सही फैसले लेने की क्षमता आवश्यक सूचना हासिल करने तथा व्यावहारिक एंव प्राभावी हल ढूंढ निकालने की दक्षता होनी चाहिए। इसक अलावा वर्तमान समस्याओं को सुलझाने की कल्पना शक्ति तथा समस्याओं को सुलझाने केअनुसार अपने को ढालना लोगों तथा समूह के साथ आमने सामने संपर्क स्थापित करने के लिए लेखन क्षमता आत्मविश्वास सही तरीके से बात को रखना अन्य लोगों के प्रति सम्मान कूटनीति जैसे गुण होना आवश्यक है, जिसके चलते ही आप इस क्षेत्र में सफल हो पाएंगे।

बेहतर सैलरी

इस क्षेत्र में जितनी जॉब की अधिकता है, उतनी ही अच्छी सैलरी भी है। जो आपकी योग्यता और काम पर निर्भर करता है। जनसंपर्क प्रशिक्षणार्थी का प्रारंभ में वेतन 5000 रूपए से 7000 रूपए के बीच प्रतिमाह होता है, लेकिन यह कंकपनी और उम्मीदवार के ऊपर निर्भर करता है कि वेतन का स्वरूप कैसा होगा। एक बार अनुभव हो जाने के बाद आप 12000 रूपए से 25000 हजार रूपए तक के बीच कहीं भी, किसी भी संगठन में वेतन पा सकते हैं। वैसे इंटरनेशनल कपंनियों तथा कॉर्पोरेट सेक्टर में वेतन अन्य संगठन के मुताबिक ज्यादा है।

जॉब की संभावनाएं

यह क्षेत्र जॉब और सैलरी दोनों के लिए ही बेहतर है। जनसंपर्क की दुनिया मे स्थान बनाने के लिए आप संगठन के जनसंपर्क विभाग या पेशेवर फर्म के जनसंपर्क विभाग में शामिल हो सकते हैं, जो ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करता हैक। ऐसी एजेंसियां व्यक्तिगत तौर पर भी कार्य करती हैं। प्रारंभ में व्यक्ति को ट्रेनी के रूप में रखा जाता है। कई ऐसे सरकारी और गैर सरकारी संगठन हैं जो जनसंपर्क अधिकारी के रूप में उम्मीदवार को संस्थान से जोड़ते हैं। इस क्षेत्र में उच्च योग्यता होने के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र से भी जुड़ सकते हैं।

आवश्यक योग्तया

इस क्षेत्र मे डिग्री से अधिक आपकी पर्सनल स्किल्स महत्वपूर्ण है। लेकिन प्रवेश पाने के लिए आपके पास प्रोफेशनल डिग्री को होना भी जरूरी है। जनसंपर्क अधिकारी के लिए किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री होना आवश्यक है। वेसे इस क्षेत्र की बढ़ते क्रेज को देखते हुए अनेक संस्थान जनसंपर्क से संबंधित पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम में पत्रकारिता विज्ञापन या जनसंचार भी शामिल हैं। इसके अलावा अब कंप्यूटर की जानकारी को महत्व दिया जा रहा है।

पर्वतारोहण

में ऊंचाई छूता कैरियर

इस क्षेत्र में कैरियर बनाने हेतु स्वस्थ शरीर पहली आवश्यककता है। इसके साथ ही इसमें सजगता सूझबूझ विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना होता है। पर्वतारोहण में उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद आप सार्वजनिक या निजी विभाग में अपनी योग्यता के अनुसार कार्य संभाल सकते हैं।

पर्वतारोहण के क्षेत्र में कैरियर की बहुत उजली संभावनाएं हैं। पर्वतारोहण के क्षेत्र में कैरियर बनाने हेतु किसी खास योग्यता की आवश्यकता नहीं है जबकि साहसी होना आवश्यकता है। इस क्षेत्र में कैरियर बनाने हेतु स्वस्थ शरीर पहली आवश्यककता है। इसके साथ ही इसमें सजगता सूझबूझ विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना होता है। पर्वतरोहण में उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद आप सार्वजनिक या निजी विभाग में अपनी योग्यता के अनुसार कार्य संभाल सकते हैं। पर्वतारोहण का कोर्स कराने वाले देश के प्रमुख संस्थान हैं।

हिमाचल पर्वतारोहण संस्थान, दार्जिलिंग
पर्वतारोहण निदेशालय, मनाली
एडवेंचर एकेडमी ऑफ राजस्थान जयपुर
जवाहर पर्वतारोहण एवं शीत क्रीड़ा संस्थान, पहलगाम
इंडियन स्कीइंग एंड माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट गुलमर्ग, जम्मू कश्मीर

पर्वतारोहण के क्षेत्र में आप चाहें तो प्रशिक्षण संस्थान भी खेलकर अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं।

पर्वतारोहण के लिए प्रशिक्षण जरूरी

पर्वतारोहण एक चुनौती एक साहस और आपको बुलंद सोच का नतीजा है, जिसमें आपका आत्मविश्वास उस लंबी पैदल यात्रा को सहज बनाने का काम करती है, क्योंकि इस चढ़ाई में न तो आपको कोई शिविर मिलेंगे और न ही लंगर। आमतौर पर बेदर्द मौसम और एक रहस्य मयी ऊंचाई और हर कोने में और हर कदम पर खतरे की सुगबुगाहट आपको दहला देती है। ऐसे मे आपको इन परिस्थियों से सिर्फ एक चीज सह ही बचा सकती है, वो आपका पूर्व प्रशिक्षण आपके अभियान की सफलता के लिए है।

कुछ आवश्यक वस्तुएं

शीतकालीन ऊपर का कपड़ा
चढ़ाई गियर हारनेसेस या घुस
हेलमेट, रस्सियां
ट्रेकिंग युक्त जूते
शीतकालीन बैकपेकिंग टेंट
अनुदेशात्मक किताबें और मानचित्र

इन्हें भी ध्यान रखें

आपका बड़ी चट्टानों बर्फ रात में विविध तरह के इलाके पर रहने चलने का अभ्यास।
अलास्का की डेनालीर पर बसंत में अपनी पहली चढ़ाई करें।
एक जोरदार और नियमित प्रशिक्षण और पर्वतारोहण।
पहाड़ों पर अक्सर जाएं।
भोगोलिक और अनुभवयुक्त पुस्तकों को पढ़ें। सबसे अच्छा उपकरण का प्रयोग करें, क्योंकि आपकी जिंदगी उस पर निर्भर है।
विशेषज्ञों से सलाह लें।

बॉलीवुड

जंगली पिक्चर्स की डोसा किंग

तलवार और राजी जैसी दमदार फिल्मों के निर्माता जगंली एपिक ड्रामा थ्रिलर फिल्म डोसा किंग का निर्माण करने जा रहे हैं। ये फिल्म जीवजोती सतकुमार के दुखो से भरे जीवन की सच्ची कहानी है। इसका निर्देशन चर्चित तमिल फिल्म जय भीम के निर्देशक टीजे ज्ञानवेल कर रहे है। यह उनकी पहली हिंदी फिल्म होगी डोसा किंग शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ सामान्य महिला जीवाजोती की लड़ाई को दर्शाएगी, जो दुनिया में सबसे बड़े साउथ इंडियन रेस्तरां सीरीज के मालिक के खिलाफ अदालत में लड़ती हैं। अट्ठारह वर्ष चली कानूनी लड़ाई के बाद,जीवाजोती संतकुमार अपने पति की हत्या के लिए डोसा किंग को दोषी ठहरा कर सजा सुनवा पाती है। जंगली पिक्चर्स इस साल डॉक्टरजी, वो लड़की है कहां?, डोसा किंग, उलज और क्लिक शंकर जैसी दिलचस्प फिल्में प्रदर्शित करने जा रहा है।

नया रोबोट-इंसान रोमांस

हालिया घोषित शाहिद कपूर और कृति सेनन की अनाम फिल्म रोबोट रोम-कॉम है। यह फिल्म एक व्यक्ति और मशीन के बीच रोमांस पर विचित्र भारतीय फिल्म है। शाहिद रोबोटिक्स आदमी है, जबकि कृति रोबोट की भूमिका कर रही है। हॉलीवुड ने ऐसे विषयों पर कई फिल्में बनाई है। परन्तु भारतीय सिनेमा में भी यह दुर्लभ विषय नही है। याद कीजिये रजनीकांत और ऐश्वर्य राय की तमिल और हिंदी फिल्म

रोबोट और एमी जैक्सन के साथ रजनीकांत की इस फिल्म की सीक्वल 2.0 की इससे पहले शाहरुख खान और करीना कपूर की रावन, ह्रथिक रोशन की कृष 3, अजय देवगन की टार्जन द वंडर कार, प्रियंका चोपड़ा और हर्मन बवेजा की लव स्टोरी 2050 आदि भी रोबोटिक रोमांस फिल्में थी. निर्माता दिनेश विजन की इस अनाम फिल्म की शूटिंग नवम्बर से भारत और विदेशी लोकेशन पर शुरू हो जायेगी।

सीईओ बना विलेन

तेलुगु फिल्म अभिनेता विजय देवेराकोंडा की एक्शन फिल्म लाइगर देख रहे दर्शकों की दृष्टि एक चरित्र

संजू पर आकर जरूर रुकेगी। वह सबसे नए खल चेहरा है। यह अभिनेता है विश पुरी कनेक्ट के सीईओ के रूप में वह अपनी क्षमता से पहचाने जाते है वह पुरी कनेक्ट में फिल्म निर्माण का पूरा काम देखते है उनकी क्षमता ही है कि वैनर धर्मा प्रोडक्शनस फिल्म लाइगर से जुड़ा विश अखिल भारतीय फिल्म से अभिनय जीवन का प्रारंभ करने जा रहे है लाइगर पूरे भारत में 25 अगस्त को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलायलम भाषाओं में प्रदर्शित होने जा रही है

मार्वेल के सुपर हीरो भारतीय बॉक्स ऑफिस पर

अपने प्रदर्शन के पांचवे सप्ताह में, क्रिस हेम्सवर्थ की सुपर हीरो फिल्म थॉर लव एंड थंडर ने भारत में 100 करोड़ क्लब में प्रवेश कर लिया, इसने पांचवे सप्ताह में 46 लाख का नेट करके 100.2 करोड़ का सफर पूरा कर लिया फिल्म ने पहले सप्ताह में 79.07 करोड़, दूसरे में 14.46 करोड़, तीसरे में 4.34 करोड़, चौथे में 1.69 करोड़ का नेट किया था। 2022 में जहां बॉलीवुड फिल्म100 करोड़ आंकड़ा पार कर पाने में असफल हो रही है, थॉर लव एंड थंडर हॉलीवुड की दूसरी फिल्म है, जिसने इस साल 100 से अधिक का नेट किया है। इससे पहले डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस यह कारनामा कर चुकी थी। थॉर लव एंड मार्वेल सिनेमेटिक यूनिवर्स की पांचवी सुपर हीरो फिल्म है, जिसने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शतक जमाये। एवेंजरस एन्डगेम, एवेंजरस इनिफिनिटी वॉर, स्पाइडर-मैन नो वे होम और डॉक्टर स्ट्रेंज इन द मल्टीवर्स ऑफ मैडनेस पहली चार फिल्में है।

जीत होगी 'सिया' की

निर्माता मनीष मुंद्रा ने, आंखों देखी, मसान और न्यूटन जैसी लीक से हट कर फिल्मों का निर्माण किया है। यह फिल्म समारोहों में प्रदर्शित हुई तथा सराही भी गई। ऐसे फिल्म निर्माता मनीष अब फिल्म निर्देशन के क्षेत्र में भी उतर आये है। उनकी नई फिल्म सिया छोटे शहर की लड़की सिया की कहानी है, जो विषैले सिस्टम से न्याय पाने के लिए संघर्ष का रास्ता अपनाती है। वह बड़ा आन्दोलन खड़ा करने की मुहीम छेड़ती है। 16 सितम्बर को सिया के रिलीज होगा। सिया की भूमिका पूजा पाण्डेय कर रही है। उनका साथ विनीत कुमार सिंह दे रहे है।

अपारशक्ति कश्मीरी आतंकवादी की भूमिका निभाने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता अपारशक्ति खुराना अपने प्रशंसकों को धोखा देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इससे पहले कि पाठक किसी निष्कर्ष पर पहुचे, पहले संदेह को दूर करें। धोखा - राउंड डी कॉर्नर निर्देशक कूकी गुलाटी की एक सस्पेंस थ्रिलर है, जिसमें अपारशक्ति, आर. माधवन, खुशाली कुमार और दर्शन कुमार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। अपारशक्ति, जिन्हें ज्यादातर हास्य भूमिकाओं में देखा जाता है, फिल्म में एक अलग अवतार में दिखाई देंगे - एक कश्मीरी आतंकवादी की भूमिका निभा रहे हैं।

अभिनेता को स्त्री, लुका छुपी और हाल ही में हम दो हमारे दो जैसी हास्य भूमिकाओं वाली फिल्मों के लिए जाना जाता है। हालांकि अब वह धोखा में नेगेटिव रोल में नजर आएंगे। मुझे अब खुशी है कि एक कलाकार के रूप में मेरा दूसरा पक्ष, जो नेगेटिव है, अब किया जा सकता है। मैंने एक कलाकार के रूप में खुद के एक अलग पक्ष को दिखाने की कोशिश की है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक मुझे बड़े पर्दे पर इस नए संस्करण में स्वीकार करेंगे ।'

अपारशक्ति ने 23 सितंबर को रिलीज होने वाली धोखा में अपने किरदार के लिए निर्देशक गुलाटी को श्रेय दिया है। उन्होंने कहा, 'मैं वास्तव में निर्देशक को श्रेय देना चाहूंगा। इस कश्मीरी आतंकवादी की भूमिका के लिए मुझ पर दिखाया गया विश्वास वास्तव में उत्साहजनक था।'

अल्पना कांडपाल

इस साल भी देश से दूर बॉलीवुड

लाल सिंह चड्ढा और रक्षा बंधन प्रदर्शित हो चुकी है। लाल सिंह चड्डा, हॉलीवुड की ऑस्कर पुरस्कार विजेता फिल्म फारेस्ट गंप की अधिकारिक रीमेक है। मुख्य चरित्र लाल सिंह चड्ढा का सफर दशकों लम्बा है। वह सेना में भी भर्ती होता है। लेखक अतुल कुलकर्णी ने इसे हॉलीवुड के चश्मे से लिखा है, क्योंकि अमेरिकी सेना में ही मंदबुद्धि भर्ती हो सकते है। आमिर खान की अन्य फिल्मों के तरह लाल सिंह चड्ढा विवादित घटनाक्रम हो सकती है। देश की बात नहीं कर सकती। वही अक्षय कुमार की रक्षा बंधन भाई और उसकी चार बहनों के बीच के प्यार के प्यार की पारिवारिक कथा है। ऐसे कथानक में देश प्रेम का क्या काम!

देश की बात नहीं - बॉलीवुड ने इस साल कोई भी ऐसी फिल्म नही बनाई, जो देश की बात करती हो, देश की समस्या से सरोकार रखती हो। द कश्मीर फाइल्स ने अवश्य कश्मीर के घटनाक्रम को परदे पर ला कर पूरे देश को झकझोर दिया। देश प्रेम हिलोरे लेने लगा। यह अब तक कि सबसे अधिक कारोबार करने वाली फिल्म भी है। बॉलीवुड की अन्य दूसरी फिल्में अतीत को तो परदे पर उकेरती है, पर देश के सन्दर्भ में नही गंगुबाई काठियावाड़ी, सम्राट पृथ्वीराज, शमशेरा, आदि अंग्रेजो के समय के भारत पर फिल्म थी। सम्राट पृथ्वीराज को अंतिम हिन्दू सम्राट पृथ्वीराज चौहान के जीवन पर फिल्म थी। यह फिल्में दर्शकों के दिलों को छू तक नही सकी। उर्दू मिश्रित संवादों अरु गीतों ने फिल्म की आत्मा नष्ट कर दी।

जोश कहां- इस साल प्रदर्शित होने वाली फिल्मों में भी कोई फिल्म जोश भरने वाली नही लगती हालाकि, इन फिल्मों में कंगना रानौत की फाइटर पायलट पर तेजस, अक्षय कुमार की कभी विवादित रहे राम सेतु पर **लिंर** फिल्म राम सेतु, देश प्रेम की आड़ में एक्शन फिल्म योद्धा तथा 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध पर फिल्म पिप्पा के नाम उल्लेखनीय है। इन तमाम फिल्मों में किसी के भी सामान्य से अधिक प्रभाव छोड़ पाने की उम्मीद नही की जा सकती है।

ईमानदार मेजर- इस लिहाज से, 26/11 के मुंबई हमले पर फिल्म मेजर और स्पेस रिसर्च विज्ञानी नाम्बी नारायणन के जीवन पर राकेट्री द नाम्बी इफेक्ट अधिक ईमानदार फिल्म य फिल्में अपने कथ्य और तथ्यों की ईमानदारी के कारण दर्शकों को प्रभावित करने में सफल हुई। परन्तु, सैन्य जीवन को एक्शन के नजरिये से देखना आदित्य रॉय कपूर को फिल्म राष्ट्र कवच ओम में भारी पड़ा। यह फिल्म अपनी बेईमानी के कारण प्रभावित नही कर सकी। कंगना रानौत की वैचारिक बेईमानी उनकी एजेंट फिल्म धाकड़ पर भारी पड़ी। फिल्म अच्छे एक्शन के बाद भी दर्शकों को सिनेमाघरों तक नहीं ला सकी। अभिनय में कच्ची तापसी पन्नू महिला क्रिकेटर मिताली राज पर फिल्म शाबास मिथु की लुटिया डुबो गई।

दक्षिण से इतिहास- इस लिहाज से दक्षिण की फिल्में कही बहुत आगे है। निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर ने अंग्रेजो के खिलाफ जनजाति विद्रोह की घटना को जीवंत कर दिया था। याद आती है, महंगी शमशेरा, जो साधारण फिल्म बन कर रह जाती है. दक्षिण की फिल्मों ने भारत के प्राचीन इतिहास को परदे पर लाकर अखिल भारतीय दर्शकों को अपनी ओर खींचने का प्रयास क लिया है। बिम्बसार प्राचीन भारत के राजा बिम्बसार को आधुनिक सन्दर्भ में पेश करती थी। मणिरत्नम निर्देशित पोंनियिन सेल्वेन (पीएस1) भी चोल साम्राज्य के वैभव को भव्य तरीके से पेश कर रही है। तेलुगु फिल्म अखंड भी शिव नाम की महिमा को आधुनिक सन्दर्भ में बखूबी पेश करती थी। ■

सितारों ने याद किया स्वतंत्रता दिवस

भारत स्वतंत्रता दिवस की ७५वीं वर्षगांठ मना रहा है, परिवार देशभक्ति की भावना में सराबोर है और कुछ कलाकार अपनी यादें साझा कर रहे हैं।

श्रीति झा- मैं उन सभी को श्रद्धांजलि देती हूं, जो देश के नागरिकों के लिए सीमा पर लड़ते है। मैं स्वास्थ्य कर्मियों और सभी को श्रद्धांजलि देती हूं, जो देश को शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण बनाते है।

ईशा सिंहः इस स्वतंत्रता दिवस पर भावनाओं को आजाद कर दीजिए और उन्हें आकाश में ऊंची उड़ान भरने दीजिए। हमारा देश भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में सफलता अर्जित कर रहा है, मुझे गर्व है। हमने कॉमनवैल्थ गेम्स में बहुत सारे मैडल जीते।

संगीता घोष- स्वतंत्रता दिवस का मेरे जीवन में विशेष महत्व है, क्योंकि यह दिन मुझे बचपन की यादों में ले जाता है, जब हम सभी स्कूल में झंडा वंदन कार्यक्रम के लिए इकट्ठा हुआ करते थे। हर व्यक्ति को स्वतंत्रता का सम्मान करना चाहिए, जो उसे मिली है और उसके प्रति लापरवाह नही होना चाहिए।

आंचल साहू - मैं इस बार स्वतंत्रता दिवस अट्टारी-बाघा बॉर्डर का भव्य कार्यक्रम देखते हुए बिताऊंगी। हम देश के सैनिकों के प्रति अपना आभार व्यक्त करें और उनके साहस के लिए उन्हें धन्यवाद दें।

मौली गांगुली- हमें कभी भी यह नही भूलना चाहिये कि हमने मुश्किलों को पार कर आजादी पाई है, हमें स्वतंत्रता सेनानियों के महान योगदान को याद रखना चाहिये। वीर सैनिकों के लिये प्रार्थना करनी चाहिये ।

योगेश त्रिपाठी - स्वतंत्रता दिवस गौरव एवं खुशी का दिन है। मैं न सिर्फ सभी स्वतंत्रता सेनानियों एवं जवानों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहूंगा बल्कि पुलिस के जवान, डॉक्टर्स, समाज सेवी, खिलाड़ी, कलाकार, विज्ञान एवं तकनीक से जुड़े लोग व अन्य शामिल हैं। सभी आजादी की असली कीमत दर्शाते है।

रोहिताश्व गौड़ - आजादी बहुत बड़ा विशेषाधिकार और जिम्मेदारी भी है। मैं अपनी बेटियों को बिल्डिंग के झंडारोहण समारोह में ले जाता हूं और उन्हें बताता हूं कि स्वतंत्रता सेनानियों का आभारी होना चाहिये, जिन्होंने स्वतंत्र जीवन जीने और हमारे सपनों को पूरा करने में सक्षम बनाया।

युक्ति कपूर - मेरे लिये देशभक्ति केवल भावना नही, बल्कि काम है। इसे कई तरीकों से किया जा सकता है। देश के लिये युद्ध लड़ने से लेकर अपने समाज में सबसे छोटे या सबसे बड़े संभव तरीके से बदलाव लाना। महान स्वाधीनता सेनानियों के योगदान को याद किये बिना यह दिन मनाना गलत होगा। वे इस देश के लिये जिये और मरे है। जितने बहादुर सीमा पर लड़ रहे है, उनके लिये मैं दिल से प्रार्थना करती हूं!

करुणा पांडे- 'स्वतंत्रता दिवस मेरे लिये महत्वपूर्ण है, क्योंकि मेरे पिता सेना में थे और उन्होंने बड़े अनुशासन के साथ बहादुरी से देश की सेवा की और मेरी परवरिश भी ऐसी हुई । मेरे लिये देशभक्ति का अर्थ है, हमारे सुंदर देश की विभिन्न संस्कृतियों पर गर्व करना; हमारा झंडा पूरी दुनिया में शांति का संदेश देता रहे। हमें भारत के गौरव की प्रशंसा करने से शर्माना नही चाहिए!'

अंकित गुप्ता- सबसे पहले हम झंडा फहराते थे, सब लोग मिलकर राष्ट्रगान गाया करते थे। हर कोई तिरंगा पोषाक पहन रहा है।

राधिका मुथुकुमार- लोग बेहतर भविष्य के लिए लगातार कड़ी मेहनत करते हैं। मुझे देश और यहां के नागरिकों पर गर्व है।

टीवी

तापसी पन्नू की शाबाश मिट्ठु

बूट सलेक्ट तापसी पन्नू की फिल्म 'शाबाश मिट्ठु के वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है। यह फिल्म जानी-मानी क्रिकेटर मिथाली राज की प्रेरक कहानी पर आधारित है। डिजिटल दर्शकों के लिए हिंदी, कन्नड, तमिल और तेलुगु में इस फिल्म का ग्राण्ड प्रीमियर है। तापसी पन्नु ने कहा, "यह फिल्म मेरे दिल के बेहद करीब है। मिथाली के जीवन का हर अध्याय प्रेरणा स्रोत है।'

आयुषी ने बताई संघर्ष यात्रा

स्टार भारत शो 'अजूनी' पर अजूनी का किरदार निभाने वाली आयुषी खुराना ने खास बातें बताई। वह कहती है, मैं एक्टिंग के लिए घर पर बिना किसी को बताए बॉम्बे आई । यह बात केवल मेरी मां जानती थी। मुझे बचपन से ही डांसिंग और एक्टिंग का शौक था। मां ने हमेशा मुझे इसमें प्रोत्साहित किया। सभी फादर्स की तरह, मेरे पिता भी इस इंडस्ट्री में मेरे कदम रखने से नाखुश थे। मैंने कहा कि मैं कोर्स कर रही हूं मेरा संघर्ष शुरू हुआ जहां मैंने खुद को पूरी तरह से खोया हुआ पाया। मुझे खुद ही सभी चीजों का पता लगाना पड़ा। मुझे ऐसे काम करने के लिए कहा गया जो मेरी नैतिकता का समर्थन नही करते थे।

आशा पारेख के साथ अल्का याग्निक

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के देसी किड्स सिंगिंग रियलिटी शो सुपरस्टार सिंगर 2 में अभिनेत्री और सदाबहार सुंदरी आशा पारेख दिलचस्प किस्से साझा करेंगी। आशा पारेख आर्यनंदा की आवाज सुनकर हैरान थी, ने कहा, मैं हैरान हूं। इस छोटी-सी बच्ची ने एक ही टेक में इस गाने को बड़ी खूबसूरती से गाया, जैसे अनुभवी गायक गाते है। यह बिल्कुल भी आसान नही है। ये गाने का आलाप इतना मुश्किल था कि मुझे लंबी सांसें लेनी पड़ी लेकिन इस लड़की को सलाम! मैं वाकई प्रभावित हूं। जज अल्का याग्निक आशा पारेख की बहुत बड़ी फैन थी। अल्का बताती है, मैं बचपन से ही आशा जी की बहुत बड़ी फैन रही हूं और अब भी हूं। जब मेरी नानी मुझे फोन करती थी, तो बस 'ओ मेरी आशा पारेख, इधर आ' कहती थी ।

ब्लॉकबस्टर अंतर्राष्ट्रीय शोज की बरसात

एमएक्स प्लेयर अगस्त लाइनअप में दुनिया भर की इन्ही खास कहानियों को ला रहा है। इनमें कोरियाई, ताइवानी, हॉलीवुड और तुर्की ड्रामा शामिल किए गए है, जिन्हें हिंदी, तमिल, तेलुगु, मराठी, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम जैसी स्थानीय भाषाओं में एमएक्स वी-देसी पर देखा जा सकता है। इसकी शुरुआत 3 अगस्त से हो चुकी है, जहां हर बुधवार नए शोज प्रस्तुत किए जा रहे है, जिनमें दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों की भावनाएं है।

अर्जुन ने की मदद

कनिका मान के एमएक्स प्लेयर के सीरियल रूहानियत चैप्टर 2 के सेट पर डर का सामना करना पड़ा। कनिका मान कहती है, मुझे पानी से

बहुत डर लगता है, चाहे वो पूल हो या समंदर। इस सीन के लिए मुझे सवीर के साथ पूल में रहना था, मैंने अपने डर पर काबू पाने की कोशिश भी की लेकिन मैं बार-बार नाकाम हो जाती थी। मैं पूल के पास खड़ी थी तभी अर्जुन ने मुझे पीछे से धक्का दे दिया। उसे लगा कि इससे मुझे अपने डर से जीतने में मदद मिलेगी। सच कहूं तो कुछ हद तक ऐसा हुआ भी, लेकिन मैं अब भी पानी में जाने से डरती हूं।

अवॉर्ड विनिंग 'लव ऐट फिफ्थ फ्लोर'

एमएक्स प्लेयर 5 एपिसोड की मिनी-सीरीज 'लव ऐट फिफ्थ फ्लोर पेश कर रहा है, जो प्यार, धोखा और इच्छाओं से जुड़ी भावनाओं को सामने लाता है। अदिति बनर्जी के निर्देशन, लेखन एवं निर्माण में बना 'लव ऐट फिफ्थ फ्लोर' में दिलनाज ईरानी, वर्जिनिया रोड्रिग्स और रचना गुप्ता है।अदिति कहती है, हकीकत से जन्मी कहानियों में बड़ी भावनात्मक गहराई होती है। यह शो मेरा पैशन है। मैं चाहती थी कि इस कहानी को किसी भी तरह से हकीकत बनाऊं। यह सीरीज क्राउड फंडिंग के जरिए बनाई गई है ताकि मैं क्रिएटिव आजादी ले सकूं।

हार्ट ब्रेक सिंगल में अमिका

सिंगर से एक्ट्रेस बनी अमिका शैल इंडियन आइडल विनर सलमान अली के अगले सिंगल 'धोखा' में नजर आने वाली है। विजय वर्मा द्वारा निर्देशित और संजीव शर्मा द्वारा कोरियोग्राफ किए गए इस वीडियो में अमिका के साथ गौरव सरीन भी है। अमिका कहती है, सलमान अली और गौरव सरीन इस ट्रैक से जुड़े और मैं उनके काम की प्रशंसा करती हूं।

तनिशा लीड किरदार में

सोनी सब के 'अलीबाबा- दास्तान-ए-काबुल' के शेहजान खान किस्मत के धनी और प्यारे घुमक्कड़ अलीबाबा की मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि तनिशा शर्मा राजकुमारी मरियम की भूमिका में नजर आयेंगी। तनीशा शर्मा ने कहा, 'मैं 'बहुत खुश हूं। अलीबाबा- दास्तान-ए-काबुल जैसा कोई दूसरा शो नहीं है और यह रोमांचित करेगा। मरियम कोई आम राजकुमारी नही है।

रिंकू ने शेयर किया बहनों जैसा रिश्ता

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के फैमिली ड्रामा 'अपनापन... बदलते रिश्तों का बंधन' में खास तड़का लगा रही है नंदिता, जिसका किरदार रिंकू धवन निभा रही है! रिंकू और सिजैन खान के बीच पर्दे के पीछे भी भाई-बहन जैसा रिश्ता है। रिंकू ने कहा, किरदार के साथ अच्छी तरह घुलने-मिलने की जरूरत होती है, जिसके साथ पर्दे पर हमारा मजबूत रिश्ता दिखाया जा रहा है, वो मेरे भाई की तरह है और पर्दे पर और पर्दे के पीछे हमारा बड़ा प्यारा रिश्ता है।

लाइफ ऑफ ए डोजो मास्टर

कुंग फू मास्टर कॉस्मो जिमिक अमेरिका से मुंबई आए और डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'लाइफ ऑफ ए डोजो मास्टर' रिलीज किया गया। इसे चीता जीत कुने डू ग्लोबल स्पोर्ट्स फेडरेशन और एम्प्टी हैंड कॉम्बैट के सहयोग से प्रस्तुत किया गया। ग्रैंडमास्टर चीता यजनेश शेट्टी कहते है, यह डॉक्यूमेंट्री फिल्म लोगों को कुछ कर गुजरने की शिक्षा देती है और इससे उनका मनोबल बढ़ेगा। कॉस्मो जिमिक दुनिया के लिए उदाहरण है, जिन्होंने मार्शल आर्ट को अलग मुकाम दिया।

रचना मिस्त्री ने किए खुलासे

स्टार भारत के शो "ना उम्र की सीमा हो" में विधि के किरदार से रचना मिस्त्री निभा रहा है। रचना कहती है, "मेरा रास्ता बड़ी कठिनाइयों और कड़ी मेहनत से भरा हुआ था, जिसने मुझे अपने जीवन में इस मुकाम तक पहुंचाया है। यह धीमी प्रक्रिया है और सफल होने का एकमात्र तरीका। यदि आपके पास प्रतिभा है और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दृढ़ है, तो जीवन में सफल जरूर होंगे। प्रसिद्धि मुझे आसानी से नही मिली, मैंने कई वर्षों तक कड़ी मेहनत की और कभी भी किसी भी भूमिका को ठुकराया नही।

सैयां दिल में आना रे को नया रूप

लोकप्रिय रेट्रो गीत सैयां दिल में आना रे लॉक अप फेम अंजलि अरोड़ा गाने के नए वर्जन में आएंगी नज़र। रिलीज गाने के बारे में, अंजलि ने कहा, ''मैं वैजयंतीमाला के इस लोकप्रिय ट्रैक की नई कल्पना का हिस्सा बनी हूं बहुत मजेदार रहा। मैं उन आभारी हूं।''

शहीद अलगू यादव की लगेगी प्रतिमा बनेगा स्मारक, मानव सेवा समिति ने ली जिम्मेदारी

प्रखर जखनियां (गाजीपुर)। साल 1942 में अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में शहीद हुए अलगू यादव के स्मृति में स्मारक एवं उनकी प्रतिमा लगाने की मानव सेवा समिति ने ली जिम्मेदारी। पूरे क्षेत्र खुशी का माहौल। 1942 के नायक अलगू यादव के पैतृक गांव कुत्तुबपुर में उनकी प्रतिमा एवं स्मारक बनाने के लिए भारत माता के उदघोष के साथ सोमवार को भूमि पूजन किया गया। गौरतलब हो कि 1942 में अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में महात्मा गांधी के करो या मरो नारा के आह्वान पर गाजीपुर के शादियाबाद थाना क्षेत्र के कुत्तुबपुर गांव निवासी अलगू यादव ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे।इस दौरान अंग्रेजों की बंदूक से निकलीं गोली ने भारत माता के बीर सपूत को हमेशा के लिए चिर निद्रा में सुला दिया था।इस कांड के नायक अलगू यादव की पहचान एवं सम्मान में

उनकी प्रतिमा एवं स्मारक कहीं नहीं बनाया गया था।मानव सेवा समिति प्रबंधक निदेशक रमेश यादव ने अपने सहयोगियों के साथ शहीद अलगू यादव के गांव जाकर परिजनों एवं ग्रामीणों से मिलकर उनके स्मृति में स्मारक बनवाने एवं उनकी प्रतिमा लगाने के लिए जमीन उपलब्ध कराने की अपील की जिसमें परिजन एवं ग्रामीण तैयार हो गए और जमीन उपलब्ध करा दी गई। उनके शहादत दिवस 15 अगस्त को उनके स्मृति में स्मारक एवं प्रतिमा लगाने के लिए भारत माता के उद्घोष के साथ जंगीपुर के विधायक डा.वीरेन्द्र यादव ने भूमि पूजन किया गया।बतौर मुख्य अतिथि डा.वीरेन्द्र यादव ने कहा कि केन्द्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रही। वहीं दुसरे तरफ देश को आजादी दिलाने वाले देश के नायकों का कोई खोज-खबर नहीं ले रही है।अलगू यादव जैसे नायकों ने देश को आजादी दिलाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी तब जाकर आज हम खुली सांसे ले रहे हैं। परन्तु सरकार शहीदों के परिजनों की खोज खबर तक नहीं ले रही हैं। हमारे नेता मुलायम सिंह यादव जब रक्षा मंत्री बने थे तो उन्होंने पहला काम शहीदों के सम्मान में किया था।की शहीदों के पार्थिव शरीर उनके परिजनों को सौंपा जाय। इससे पहले शहीदों के परिवार को राख भेजी जाती थी। लेकिन मुलायम सिंह यादव ने पार्थिव शरीर भेजने का एतिहासिक फैसला लिया। सपा के जिलाध्यक्ष रामधारी यादव ने कहा कि सीमा पर देश की हिफाजत करने वाले जवानों एवं शहीदों के परिवार लोग खुशहाल रहे ऐही असली आजादी का अमृत महोत्सव है। इस अवसर पर शहीद अलगू यादव के परिजनों जनई यादव, रामप्रसाद यादव, नन्दलाल, विशाल एवं विकाश यादव को माला पहनाकर साफा देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुब्बचन यादव,रामनगीना यादव, चन्द्रपति, श्यामा सिंह यादव, रविन्द्र यादव, वंशराज,अमित, अरविंद, डा. इन्द्रेश यादव, गुड्डू यादव, अनुराग यादव,सुबाष यादव, रामबरत, पारस , विकास यादव आदि उपस्थित रहे।

अमृत महोत्सवः खेतासराय एसओ ने निकाला तिरंगा मार्च

प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। खेतासराय पुलिस ने मंगलवार की सायंकाल डीजे के साथ तिरंगा मार्च निकाला । शाहगंज-जौनपुर मार्ग पर जुलूस के साथ निकले कांस्टेबलों ने सड़क पर आजादी का जश्न मनाया । पुलिस के मार्च की अलग तरीके से जुनून को देख हर कोई कैमरे में कैद कर रहा था एसओ यजुर्वेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिसकर्मी थाने के मुख्य द्वार से निकले । डीजे के साथ राष्ट्र भक्ति गीत के धुन पर पुलिस पूरे जोश के साथ नारे बाजी करते हुए चल रहे थे । मेन रोड होकर जुलूस स्टेट बैंक पहुँचा । इस दौरान इंकिलाब जिंदाबाद, भारत माता की जय और वंदे मातरम का गगन भेदी उद्घोष कर रहे थे । पुलिस का तिरंगा मार्च लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा । पुनः थाना पहुँचकर यह जुलूस समाप्त हो गया। एसओ ने मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है । आज उसीके जश्न में तिरंगा मार्च निकाला गया है । इस मौके पर प्रमुख रूप से थानाध्यक्ष यजुर्वेन्द्र सिंह, एसआई राकेश सिंह, हरिशंकर यादव, संदीप कुमार सिंह, राजकुमार यादव, मंहगू यादव, अखिलेश मौर्या, अनंत यादव, धर्मेंद्र प्रजापति , समेत अन्य लोग शामिल रहे ।

धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस - जगह जगह निकली तिरंगा रैली

प्रखर दानगंज चोलापुर थाना क्षेत्र में 75वा स्वतंत्रता दिवस धुमधाम से क्षेत्र में मनाया गया अमृत महोत्सव में हर घर तिरंगा भी लगाया गया ।दिनभर क्षेत्र में रैली भी निकाली गई ।क्षेत्र के उमा मेमोरियल पब्लिक स्कूल,प राम प्रवेश चौबे महाविद्यालय नियार,आर यस ऐकडमी सुधारी,विकासखंड कार्यालय ,खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सहित सभी विद्यालय और सार्वजनिक संस्थानों में तिरंगा फहराया गया।उमा मेमोरियल पब्लिक स्कूल ढेरही में मुख्य अतिथि सेना से अवकाश प्राप्त इंजीनियर पारस नाथ गुप्ता ने कहा कि देश के हर युवा को अग्निवीर बनना चाहिए।रोजगार के साथ देशभक्ति भावना भी पनपती है इस अवसर पर छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।अमृत महोत्सव पर डॉ मनोज पाण्डेय,लक्ष्मी नारायण चौबे,जयंत सिंह,दीपक सिंह,कमल चौबे,नगीना सेठ, प्रमोद पाण्डेय, रिंकू प्रजापति, सीमा सिंह, राम नवल आदि उपस्थित रहे।

बी डी आर पब्लिक स्कूल ने आजादी का अमृत महोत्सव को यादगार बनाया

प्रखर डोभी, केराकत जौनपुर। जौनपुर, उत्तर प्रदेश जिले के केराकत तहसील के डोभी ब्लॉक में स्थित बी डी आर पब्लिक स्कूल ने भारत के स्वतंत्रता दिवस की 75 वीं वर्षगांठ पर 5 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा निकाल कर आजादी का अमृत महोत्सव को यादगार और अविस्मरणीय संस्मरण बना दिया। विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा 5 गांवों और दो स्थानीय बाजारों से होकर गुजरी जहां उपस्थित ग्रामीणों और दुकानदारों ने तिरंगा यात्रा में अपनी कला का प्रदर्शन करने वाले छात्र/छात्राओं के नृत्य और गायन का हौसला बढ़ाते उनके काबिलियत की सराहना की। विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा आयोजित इस तिरंगा यात्रा में शामिल होकर विद्यालय के छात्र/छात्राएं, अध्यापक, अभिभावक और उपस्थित अन्य गणमान्य लोगों ने गौरवान्वित महसूस किया । इससे पूर्व विद्यालय प्रांगण में आयोजित झंडारोहण कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक आर सी यादव ने

अपने भाईयों रामजनम यादव (मैनेजर), रामनयन यादव (प्रिंसिपल), आर जे यादव तथा अन्य सगे संबंधियों के साथ तिरंगे को सलामी देकर देश के प्रति अपना देशप्रेम प्रदर्शित किया । अपने संबोधन में आर सी यादव ने कहा कि जश्न-ए-आजादी का यह शुभ दिन एक एतिहासिक पर्व है जिसे हमारे देश के अमर शहीदों ने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर प्राप्त किया है । हमारा देश भारत विश्व का सिरमौर है जिसकी आन बान और शान की हिफाजत करना हर भारतीय का नैतिक कर्तव्य है। स्वतंत्रता दिवस हमारे देश के गौरव का प्रतीक है जिस पर हर भारतीय को गर्व महसूस करना चाहिए। तिरंगा यात्रा के दौरान आयुष सिंह, विशाल, हिमांशु, निम्मी, नंदिनी, मन्नत, अर्पित, अंबर, अनंत, शुभम, रिषभ, आइशा राज, वैष्णवी सिंह, सिद्धी, शिल्पा, मुस्कान, वैष्णवी प्रजापति, हर्ष गुप्ता, कृष्णा यादव यथा अन्य बच्चों ने अपने नृत्य तथा कला प्रदर्शन से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। तिरंगा यात्रा के दौरान विद्यालय के बच्चों झंडा ऊंचा रहे हमारा, तेरी मिट्टी में मिल जावां, ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी, पुलवामा में उन वीरों ने, देश रंगीला और चक दे इंडिया जैसे गीतों से जनमानस को देशभक्ति के रंग से सराबोर कर दिया। तिरंगा यात्रा की समाप्ति के बाद विद्यालय के निदेशक आर सी यादव ने सभी अध्यापकों और विद्यालय परिवार के अन्य सदस्यों को तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए उनके परिश्रम, समर्पण, सहयोग और कर्तव्यनिष्ठा के प्रति अपना आभार प्रकट किया।

संदिग्ध हालत में महिला की मौत

प्रखर कछवाँरोड वाराणसी। मिजार्मुराद स्थानीय थाना क्षेत्र के गौर ग्राम में अपनी मां के साथ रहने वाली 35 वर्षीय महिला संदिग्ध परिस्थितियों में मृत हो गई। मृत महिला का विवाह लगभग 10 वर्ष पूर्व मिजार्पुर जनपद अंतर्गत एक गांव में हुआ था। लेकिन मृत महिला कई वर्षों से अपनी मां के साथ रहती थी। मां के साथ रहकर महिला सिलाई प्रशिक्षण देने का काम करती थी। और यही उसके जीविकोपार्जन का स्रोत था। सोमवार की रात रहस्यमयी तरीके से महिला की मौत हो गयी ।लोगो के बीच महिला की मृत्यु का तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं । कोई इसे संभवतः आत्महत्या करार दे रहा है तो कोई तबीयत खराब होने का हवाला दे रहा है। लेकिन मृत्यु का कारण स्पष्ट नही हुआ ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक अपील के बाद पूरा देश हो गया तिरंगा मय

मिजार्पुर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक आव्हान के बाद पूरा देश तिरंगा मय हो गया। क्या हिन्दू और क्या मुस्लिम सभी के घरों पर फक्र के साथ देश का तिरंगा फहरता रहा। उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर जिले में आज आजादी का पर्व बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। सरकार द्वारा हर घर तिरंगा अभियान सफल रहा, जहां सभी धर्म व सभी वर्ग के लोगों ने खासा उत्साह के साथ अपने घर पर तिरंगा लगाया। बात करें जनपद की तो जिले में जगह जगह पर तिरंगा यात्रा निकाली गई। मुस्लिम समुदाय के लोगों के द्वारा भी तिरंगा यात्रा निकाली गई, मदरसों पर भी तिरंगा फहराकर राष्ट्रगान का गायन किया गया। जिलेभर में प्रशासन की तरफ से हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए तीन लाख से अधिक घरों पर तिरंगा लगवाने का लक्ष्य रखा

गया था। प्रशासन की तरफ से तिरंगा का निर्माण स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा भी किया जा रहा था। तिरंगा यात्रा निकालकर प्रशासन व जनप्रतिनिधियों के द्वारा भी हर घर पर तिरंगा लगाने को लेकर अपील किया था। प्रधानमंत्री की एक अपील के बाद लोगों के अंदर खुद के घर पर तिरंगा लगाने को लेकर उत्साह देखा गया। जनपद के अहरौरा में देर शाम मुस्लिम समुदाय के द्वारा नगर क्षेत्र के तिरंगा यात्रा निकाली गई, जहां भारत माता की जय व वंदे मातरम के नारों से क्षेत्र गूंज उठा। नगर के हर घर पर तिरंगा लगा हुआ था।अहरौरा मुस्लिम समाज की नुमाइंदगी करने वाले इत्तेहादुल मुस्लिमीन कमेटी के सदर साकिर खान बबलू खान के नेतृत्व में अहरौरा के मुस्लिम समाज के लोगों ने तिरंगा यात्रा निकाल कर एक मिसाल कायम किया। उन्होंने ने बताया कि पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर पर तिरंगा लगाने को लेकर अपील किया था। जिसके बाद हम हिन्दू व मुस्लिम भाइयों ने मिलजुलकर किया। बहुत अच्छा लगा। झंडा हमेशा ऊंचा रहना चाहिये। ताकि हमारा देश बुलंदी पर रहे और हम सुरक्षित रहे।

मुस्लिमों के तिरंगा यात्रा निकालने पर चौकी इंचार्ज खफा-अहरौरा,मिजार्पुर। जहां पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक आह्वान पर आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर जगह तिरंगा यात्रा निकाल रहा है वही अहरौरा के मुस्लिम समाज के लोगों ने भी स्वतंत्रता दिवस के दिन आन बान शान से तिरंगा यात्रा निकाला था। जुलूस नगर में देश भक्ति संगीत पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की शान में नारा लगाते हुए लोग घूम रहे थे जिस पर कस्बा चौकी इंचार्ज सदानंद सिंह को नागवार गुजरा जुलूस का नेतृत्व कर रहे लोगों को रोककर परमिशन के नाम पर पुलिसिया रौब दिखाते हुवे दोबारा मिलने पर कार्रवाई करने की चेतावनी देते हुए चले गए। मुस्लिम समाज के लोगों को चौकी प्रभारी के इस रवैया पर नाराजगी व्यक्त की। समाज के लोगों ने शांतिपूर्वक तिरंगा यात्रा समाप्त करने के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने बताया कि कस्बा चौकी प्रभारी के द्वारा इस तरह का रवैया अपनाना मुस्लिम समाज के प्रति गलत धारणा रखना प्रतीत होता है ऐसे चौकी प्रभारी के खिलाफ पुलिस अधीक्षक से कार्रवाई की मांग की है।

दुष्कर्म के मुकदमे मे वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम पिलोरी निवासी मनोज कुमार सिंह को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बहेड़वा रेलवे फाटक से सोमवार की देर रात मे गिरफ्तार कर लिया। अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम एवं गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत मिजार्मुराद पुलिस मुखबिर द्वारा प्राप्त सूचना पर क्षेत्र के बहेड़वा रेलवे फाटक से बलात्कार से संबंधित मुकदमे में वांछित अभियुक्त मनोज कुमार सिंह (42) पुत्र बेनी प्रसाद वर्मा, निवासी ग्राम पिलोरी, थाना मिजार्मुराद जनपद वाराणसी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उप निरीक्षक अभिषेक कुमार राय, उप निरीक्षक प्रशि0 जितेंद्र यादव, कांस्टेबल आनंद, कंस्टेबल रेखा देवी,आदि लोग शामिल रहे। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह चोरी-छिपे अपने परिवार वालों से मिलने घर पर आया था और वापस वाराणसी जाने के फिराक में साधन का इंतजार कर रहा था। तभी पुलिस ने उसे धर दबोचा।

आयुष राज्य मंत्री के पैतृक गांव सिधौना में तिरंगा यात्रा आयोजित

प्रखर खानपुर गाजीपुर।आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयुषमंत्री की उपस्तिथि मे उनके पैतृक गाँव सिधौना गाजीपुर में तिरंगा यात्रा का आयोजन हुआ,आयोजन के संयोजक भाजपा नेता उपेंद्र नाथ मिश्र ने बताया की यह राष्ट्रीय ध्वज पद यात्रा सिधौना बाजार से प्रसिद्द लेखक श्री प्रेम शंकर मिश्र (दादा) जी द्वारा आयुषमंत्री दयाशंकर मिश्रा (दयालु गुरु) राष्ट्रीयध्वज एवं आशीर्वाद देकर किया गया,उपेंद्र मिश्र ने बताया की यह आयोजन आजादी के 75 वें वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में धूमधाम से संपन्न हुआ।उक्त अवसर पर कार्यक्रम की शुरूआत रामाश्रय मिश्र द्वारा अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर हुआ जिसके बाद,राष्ट्रीयध्वज वितरण,पूर्व सैनिको एवं क्षेत्रीय जनो सहित पत्रकार बन्धुओ के सम्मान समारोह आयोजित हुआ।तिरंगा वितरण और सैनिक सम्मान के तहत आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंच पर आयुषमंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु जी,अनूप दुबे, संतोष सैनी, लखन शर्मा,वरिष्ठ पत्रकार मुन्नीलाल

पांडेय,केंद्रीय ब्राह्मण महासभा के संरक्षक सतीश चंद्र मिश्र,रामतेज पांडेय (पूर्व प्रदेश मंत्री भाजपा), रमेश चंद्र मिश्र,प्रसिध्द उद्योगपति कैलाश पति पांडेय,रेलवे केंद्रीय बोर्ड मंत्री राजेश पांडेय,जटाशंकर मिश्र, मनोज चौबे,राधा विनोद तिवारी (मंडल अध्यक्ष भाजपा सैदपुर)राजन तिवारी,श्रद्धां पांडेय का संगीत ग्रुप , काशी से आये सभी सम्मानित जन एवं सिधौना के भूमि के सभी वरिष्ठ जन,कार्यक्रम में उपस्तिथ भूतपूर्व सैनिक सुब्बा यादव,ओंकार नाथ सिंह,शोभ नाथ सिंह, करुणा शंकर मिश्र,अमित कुमार मिश्र,अखिलेश मिश्र,धनंजय दुबे,मनीष मिश्र नीलांजन मिश्र एवं पत्रकार बन्धु उपस्थित रहें।कार्यक्रम में मंच का संचालन प्रकाश दीक्षित जी और अनिमेष मिश्रा ने किया।आयुषमंत्री डॉ दयाशंकर मिश्रा (दयालु गुर) ने कहाँ की भारत का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हम सभी को अपने कर्तव्यों की याद दिलाता हैं,सैनिको को देशरक्षा में बलिदान करने और नागरिकों को देश का विकास करने और इसका सम्मान करने के लिए प्रेरित करता हैं।

मानव रक्त फाउंडेशन के दस दिवसीय कैंप की हुई शुरूआत सैकड़ों मरीजों का हुआ इलाज

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मानव रक्त फाउंडेशन के दस दिवसीय कैंप की हुई शुरूआत पहला हेल्थ शिविर मदरसा गौसिया समिति हुकुलगंज में लगाया गया जहां पर 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दिन ध्वजारोहण करने के बाद बरसात व छोटी-छोटी बीमारियां जिसके इलाज सही समय से ना कराने से दिक्कतें काफी बढ़ जाती हैं बहुत से मरीज ऐसे हैं जिसके पास पैसा ना होने की वजह से मेडिकल से दवा लेकर खा लेते हैं जो शरीर के लिए बहुत हानिकारक होता है इन सबको देखते हुए मोहल्ले - मोहल्ले में हेल्थ शिविर का आयोजन किया गयाे जिसमें 100 से अधिक मरीजों को शिविर में देखा गया उसके साथ दवाई व खून की जांच भी फ्री में किया गया। गंगोत्री हॉस्पिटल के संरक्षक डॉक्टर प्रदीप चौरसिया ने कहा कि बनारस में मानव रक्त फाउंडेशन संस्था के सहयोग से हर मोहल्ले में निःशुल्क हेल्थ शिविर लगाया जा रहा है जिसका उद्देश्य जरूरतमंद, स्लम मोहलो में जाकर शिविर लगाकर उनका इलाज करना होगाे आजकल सर में दर्द युवाओं को व मन मानसिक तनाव के शिकार हो रहे हैं उनको एक सही उपचार देने का संकल्प लेकर इस शिविर को किया जा रहा है वहीं मानव रक्त फाउंडेशन संस्था के संस्थापक अध्यक्ष अबू हासिम ने कहा कि अस्पताल के माध्यम से लगातार जरूरतमंदों की मदद की जाती है बहुत ही कम पैसे में इलाज संस्था के द्वारा कराया जाता हैे 15 अगस्त स्वतन्त्रा दिवस के दिन से शुरू ये शिविर जिसका उद्देश्य बीमारी से आजादी का संकल्प मिले उसी मुहिम के साथ हम बनारस के हर एक - एक मोहल्ले में कार्य करेंगे वही कुछ जटिल बीमारी जैसे जोड़ों में दर्द, सर में दर्द ,नसों में दर्द,मिर्गी दौरा आना इत्यादि जैसी बीमारियों से संबंधित निशुल्क इलाज कराने का प्रयास कर रहे हैं वही अब्दुल्ला खालिद, शाहिद, असरफ अबुल हसन सभी साथी मौजूद रहे रहा है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

प्रखर खानपुर गाजीपुर। थानाक्षेत्र के मठउचौरी निवासी कन्हैया यादव (36) पुत्र महित यादव की सड़क दुर्घटना में मौत हों गयीं।जानकारी के अनुसार क्षेत्र के मठउचौरी गाँव निवासी कन्हैया यादव (36) पुत्र महित यादव अपने मामा दिनेश यादव को लेकर मुगलसराय जा रहें थे,की तभी उनकी बाईक अनियंत्रित होकर डिवाईडर से टकरा और और जिससे वह और उनके मामा बुरी तरह घायल हों गये।वही स्थानीय लोगो की मदद से उन्हें ईलाज के लिए निजी चिकित्सालय भेजवाया गया जहाँ ईलाज के दौरान कन्हैया की मौत हों गयीं हैं।कन्हैया आर्मी में आसाम में कार्ययत थे और रविवार की सुबह अपने घर खानपुर क्षेत्र के मठउचौरी पहुचे थे।और रविवार की शाम को अपने मामा दिनेश यादव को मोटरसाईकिल से मुगलसराय रेलवे स्टेशन छोड़ने जा रहें थे की तभी उनकी मोटरसाईकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गयीं।जिससे उन्हें गंभीर चोटे आई थीं।और उपचार के दौरान मौत हों गयीं।वही स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुये पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।घटना की जानकारी परिजनों को होते ही पत्नी सोनी का रो-रोकर बुरा हाल हों गया हैं। वही कन्हैया अपने पीछे अपने छोटे भाई सतीश व तीन बच्चे खुसबू, खुशी,रानू, सहित साहिल को छोड़ गये।

आईजीएल में आजादी की 76वी वर्षगाठ धूमधाम से मनाया गया

प्रखर गोरखपुर। गिडा औद्योगिक क्षेत्र के इंडिया ग्लाईकॉल्स लिमिटेड के बिजनेस हेड एस के शुक्ल के मार्गदर्शन में परिसर में आजादी के 75 वे अमृत महोत्सव के साथ स्वतंत्रता दिवस के छिहत्रवें वर्षगांठ के अवसर पर प्लांट मैनेजर एपी मिश्रा ने ध्वजारोहण किया । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्लांट मैनेजर एपी मिश्र रहे और विशिष्ट अतिथि शैलेन्द्र पांडेय और शैलेश चंद रहे। कार्यक्रम की शुरूवात वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी आत्मा नन्द ने आतिथ्य परिचय से किया और अतिथियों का स्वागत सहायक प्रबंधक प्रशासन अखिलेश शुक्ल में किया,तत्पश्चात प्रबन्धक प्रशासन एवं जनसपंर्क डॉ सुनील कुमार मिश्र ने अतिथियों का स्वागत किया और एपी मिश्र ने आजादी के लड़ाई में कुर्बान हुए शहीदों को याद करते हुए सभी वीरो के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर सामाजिक समानता की वकालत करते हुए जातिवाद क्षेत्रवाद से मुक्त भारत ,समृद्ध भारत,खुशहाल भारत के लिए स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों के लिए यही

सच्ची श्रद्धांजलि बताई।समारोह में विशिष्ट अतिथि द्वय श्री शैलेश्चन्द के साथ श्री शैलेन्द्र पांडेय जी ने भी समारोह को संबोधित किया और बिजनेस हेड एस के शुक्ल के संकल्पों को दोहराया। तत्पश्चात डॉ सुनील कुमार मिश्र ने सभा को संबोधित करते हुए एक कविता पढ़कर समारोह को रोचक और भव्य बनाया। इस पावन पर्व पर सुरक्षा विभाग और प्लांट के श्रमिकों के बीचमे रस्सा खीच प्रतियोगिता हुई जहा दोनों टीमें संयुक्त विजयी घोसित की गई।इसके साथ ही स्टाफ के लिए म्यूजिकल चेयर की प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ जिसमें रेफरी की भूमिका में ए के सिंह के साथ आशीष गुप्ता रहे इस प्रतियोगिता में एच आर विभाग के सूर्य नारायण पांडेय जी विजेता रहे और दूसरे नम्बर पर ग्रेन प्लांटले अमित गर्ग रहे।इसके साथ प्रश्न प्रतियोगिता हुए जिसमे लेखा विभाग की शिवानी जी एवं प्रशासन विभाग की अविका वर्मा एवं वैष्णवी विजेता रही। सभी विजेताओं को कंपनी द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। इस पावन अवसर पर इंडिया ग्लाईकाल लिमिटेड द्वारा इस अवसर को यादगार बनाने के लिए दो सेल्फी विथ तिरंगा के लिए दो सेल्फी स्टैंडिं बनवाई गई थे ,जिसमे से एक दानापानी पर और दूसरा मोक्षधाम पर भगवान शिव की प्रतिमा के पास में लगाया गया था,जिससे बड़े पैमाने पर युवा दोनो जगहों पर सेल्फी लेते हुए उत्सव का आनंद उठाते दिखे। कार्यक्रम के समापन पर प्रबंधक प्रशासन एवं जनसंपर्क डा सुनील कुमार मिश्रा ने आभार प्रकट करते हुए आजाद भारत के सभी शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शहीदों के सपनो का भारत बनाने के लिए दृढ़ता पूर्वक संकल्प लिया, और सभी के प्रति आज के महान पर्व में उल्लास से ली गई भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया। मंच संचालन आत्मा नन्द सिह ने किया।

प्राइमरी विद्यालय में आलोक हास्पिटल ने लगाया निःशुल्क चिकित्सा शिविर कैम्प मरीजों ने कराया इलाज

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सदर तहसील अंतर्गत सिकरौल के प्राइमरी विद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव पर आलोक हास्पिटल द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं दवा वितरण का आयोजन कराया गया साथ ही वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आलोक हास्पिटल के निदेशक डॉ अवनीश सिंह ने बताया कि सभी प्रकार की बीमारियों के चिकित्सक की मौजूदगी में इलाज कराया गया। उक्त कार्यक्रम में बीमारियों से ग्रस्त सभी लोगों ने बढ़ -चढ़कर हिस्सा लियाे इस कार्यक्रम

को कराने का मुख्य उद्देश्य यही था कि जो भी पैसे की अभाव में इलाज नहीं करा पाते उनके लिए निशुल्क जांच एंव दवाओं को उपलब्ध कराया गया जिसमें वहीं ग्रामीणों को हर घर तिरंगा की तहत ध्वज वितरण भी कराया गयाे इस कार्यक्रम में डॉ अविनाश सिंह, डॉ विकास सिंह, डॉ. ऋचा सिंह, डॉ. पीयूष पांडेय, डॉ. अभिनय सिंह, डॉ. प्रशांत पांडेय, डॉ. रजनीश सिंह, राजेश सिंह, हर्ष सिंह छोटू, अभिनव सिंह आदि लोग उपस्थित रहेे

तीन बार ट्रांसफर के बावजूद भी कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं लेखाकार

प्रखर खेतासराय(जौनपुर)। शाहगंज सोंधी ब्लॉक मुख्यालय पर तैनात एक बड़ा बाबू पर जिलाधिकारी के आदेश का कोई मतलब नही है । उसके रसूख का हनक इस बात से लगाया जा सकता है कि तीन बार तीन स्थान से स्थानांतरण के बाद भी कुर्सी छोड़ने को वह तैयार नही है । वजह बीडीओ से अत्यधिक नजदीकी के कारण रिलीव नही किया जा रहा है । ट्रांसफर के तीन माह बाद

भी यहाँ जमा रहना चर्चा का विषय बना हुआ है । बताया जाता है कि उक्त विकास खण्ड में वर्षों से दिनेश कुमार लिखाकार पद पर तैनात है । विगत छः मई को उसका स्थानांतरण जिलाधिकारी के अनुमोदन पर डीडीओ ने खुटहन ब्लॉक कर दिया । उसके स्थान पर सुनील शर्मा की नियुक्ति कर दी गई । तीन माह के दरम्यान उसे खुटहन से बदलापुर स्थानांतरण के बाद भी यहाँ अंगद की पेड़ की तरह पैर जमाया हुआ है । दिनेश के स्थान पर आया सुनील शर्मा को चार्ज तक नही दिया गया । विगत दिनों अपने रसूख के बल पर बदलापुर ब्लॉक से सिकरारा करा लिया । आलाधिकारियों के आदेश को ताख पर रखकर जमा उक्त बाबू को रिलीव न किये जाने से पूरे ब्लॉक में चर्चा का विषय बना हुआ है । पूछे जाने पर बीडीओ नंदलाल एक दो दिन में रिलीव की बात कहकर मामले से पल्ला झाड़ लेते है ।

मेरा कोई कुछ नही कर सकता- खेतासराय(जौनपुर) । अंगद की तरह पैर जमाया उक्त लेखाधिकारी बिना किसी भय के साफ शब्दों में हर कोई से उत्तर देने में नही कतराता है । उसका कहना है मेरा तो स्थानांतरण हो गया है, मेरा कोई कुछ नही बिगाड़ सकता । मीडियाकर्मियों ने उक्त कर्मचारी से बात किया तो उसने स्पष्ट कहा कि मेरा ट्रांसफर हो चुका है । अब सवाल उठ रहा है तीन माह अधिक समय से उसे रिलीव क्यूँ नही किया जा रहा है । रिलीव न किये जाने की पीछे बीडीओ समेत सत्ताधारी नेताओं से अच्छी ट्यूनिंग बताई जा रही है।

कोपा के कम्पोजिट विद्यालय एवं सरस्वती शिशु मंदिर में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मना

प्रखर पतरही जौनपुर।स्थानीय क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोपा में स्थित कम्पोजिट विद्यालय एवं सरस्वती शिशु मंदिर में स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।विद्यालय परसांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने अपने प्रस्तुति से सबका दिल जीत लिया।बता दें कि लोकचेतना संस्था जौनपुर के जिला अध्यक्ष एवं पतरही बाजार निवासी बरनवाल आभूषण भण्डार के मालिक मनोज बरनवाल के बड़े बेटे निशांत बरनवाल ने कोपा के कम्पोजिट विद्यालय व नेवादा रोड पर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में तिरंगा झंडा एवं मिठाइयों का वितरण किया।कम्पोजिट विद्यालय एवं सरस्वती शिशु मंदिर के शिक्षकों ने लोकचेतना संस्था के अध्यक्ष के.के उपाध्याय एवं जौनपुर के जिला अध्यक्ष निशान्त बरनवाल का ह्रदय से आभार प्रकट किया।इस अवसर पर भोला यादव,जय प्रकाश तिवारी,सिधेश्वर तिवारी,ग्राम प्रधान चन्द्रकेश जायसवाल,दर्पण बरनवाल,मनोज यादव,भीम यादव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस : 15 अगस्त

15 अगस्त 1947 को एक भारत ने ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त की। तब से 15 अगस्त को हर साल बड़ी धूमधाम से स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन इसीलिए अपने आप में महान है क्योंकि लंबे संघर्ष के बाद हमें आजादी मिली। स्वतंत्रता दिवस पूरे देश में हम सभी के लिए गर्व और खुशी का दिन है। देश की राजधानी दिल्ली में 15 अगस्त की रौनक देखते ही बनती है। सबेरे हजारों दिल्लीवासी लाल किले के मैदान में एकत्र होते हैं। हमारे प्रधानमंत्री लाल किले पर में राष्ट्रध्वज फहराते हैं और देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हैं। विविध प्रांतों की राजधानियों में वहाँ के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। इस दिन हमारे प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया पहली बार लाल किले पर। तभी से इस दिन को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाया जाता है। स्वतंत्रता दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है। इस दिन सार्वजनिक अवकाश रहता है। सुबह देशभर में जगह-जगह ध्वजवंदन के कार्यक्रम होते हैं। स्कूलों और कालेजों में तिरंगा फहराया जाता है। 'जन-गण-मन' की ध्वनि से

वातावरण गूंज उठता है। गाँव-गाँव और शहर-शहर इस मुक्तिपर्व के रंग में रंग जाते हैं। सभी सरकारी विभाग इस दिन ध्वजवंदन समारोह का आयोजन करते हैं। प्रधान मंत्री सेना, नौसेना और वायु सेना के तीनों अंगों से सलामी और गार्ड ऑफ ऑनर लेते हैं। प्रधानमंत्री अपने भाषण में संदेश देते हैं। यह दिन पूरे भारत में मनाया जाता है। दिल्ली में इस दिन को बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में, प्राचार्य द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है। राज्य के राज्यपाल के संदेश को पढ़ने वाले जिला कलेक्टरों या राजनीतिक नेताओं द्वारा सभी जिला मुख्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज भी फहराया जाता है। स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर जहाँ-तहाँ गोष्ठियों, कवि-सम्मेलनों और प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है। मैदानों में खेल-कूद की व्यवस्था की जाती है। जीतनेवालों को इनाम दिये जाते हैं। स्कूल और कॉलेजों में देश के महावीरों पर फिल्में दिखायी जाती हैं। जगह-जगह नेताओं के भाषण होते हैं। रेडियो एवं दूरदर्शन से नये-नये कार्यक्रम सुनने को मिलते हैं। इस प्रकार, सुबह से रात 10-11 बजे तक स्वतंत्रता दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। उस दिन सभी लोग आपसी भेदभाव भुलाकर गले-गले मिलते हैं। क्या हिंदू, क्या मुसलमान, क्या सिख, क्या पारसी- सभी लोग उस दिन पूरे उत्साह से स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं। हमारी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहता। स्वतंत्रता दिवस स्मरण का दिन है। यह दिन हमें देश की आजादी के लिए अपनी जान गंवाने वाले देशभक्तों के बलिदान की याद दिलाता है। हमें भक्ति के साथ अपने देश की सेवा करने की शपथ लेनी चाहिए।

भीकाजी कामा ने पहली बार विदेशी धरती पर फहराया था भारत का झंडा

"ऐ दुनियावालों देखो, यही है भारत का झंडा। यही भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, इसे सलाम करो। इस झंडे को भारत के लोगों ने अपने खून से सींचा है। इसके सम्मान की रक्षा में जान दी है। मैं इस झंडे को हाथ में लेकर आजादी से प्यार करने वाले दुनियाभर के लोगों से अपील करती हूं कि वो भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों का समर्थन करें।" विदेशी धरती पर भारतीय झंडा फहराने के बाद अपने भाषण में शक्तिशाली आवाज में यहीं बोला था भीकाजी कामा ने। इस भाषण को सुनने के बाद वहां मौजूद सभी लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ भीकाजी कामा और भारत को जानना शुरू कर दिया था। अब आप सोच रहे होंगे की आखिर कौन थी भीकाजी कामा, ये भारत की पहली महिला है जिन्होंने साल 1907 में विदेशी धरती पर पहली बार भारतीय झंडा लहराया था। बता दें कि उन्होंने भारत का झंडा जर्मनी के स्टुटगार्ट में हुई दूसरी इंटरनेशनल सोशलिस्ट कांग्रेस में हिस्सा लेने वाले सभी देशों के झंडों के साथ भारत के लिए ब्रिटिश का झंडा लगाया गया था। भीकाजी कामा को ये मंजूर नहीं था कि वे भारत के

लिए ब्रिटिश का झंडा फहराए और इसलिए उन्होंने नया झंडा बनाया और सभा में फहराया। वो पहली बार था जब विदेश की धरती पर एक महिला भारतीय झंडा फहरा रही थी। उस दौरान जो झंडा फहराया गया था वो बहुत अलग था। उस झंडे में हरा, पीला और लाल रंग की तीन पट्टियां थीं। सबसे ऊपर हरा रंग था और उसपर 8 कमल के फूल थे जो कि भारत के 8 प्रांतों को दशार्ते थे। वहीं उसके नीचे पीले रंग की पट्टी थी जिसपर लिखा था वंदे मातरम। सबसे नीचे की पट्टी पर नीला रंग था जिसपर सूरज और चांद बने थे। सूरज हिंदी धर्म के लिए और चांद मुस्लिम धर्म के लिए दर्शाए गए थे। बता दें कि पुणे की केसरी मराठा लाइब्रेरी में ये झंडा अब भी सुरक्षित रखा है। इस झंडे को भीकामजी कामा और श्याम जी कृष्ण वर्मा ने डिजाइन किया था। 24 सितंबर 1861 में पैदा हुआ भीकाजी कामा बॉम्बे के एक अमीर पारसी भीकाई सोराब जी पटेल के घर पैदा हुई थी। उस वक्त पारसी समुदाय काफी ज्यादा मशहूर हुआ करता था। अपनी पढ़ाई उन्होंने एलेक्जेंड्रा नेटिव गर्ल्स इंग्लिश इंस्टीट्यूशन से की। उनकी शादी साल 1885 में रुस्तम कामा से कर दी गई। भीकाजी के पति उनसे बिल्कुल अगल थे। वह ब्रिटिश समर्थक वकील थे और आगे चलकर एक बड़े नेता बनना चाहते थे और ये चीज भीकाजी को नहीं भांति थी जिसके कारण दोनों की एक-दुसरे से बिल्कुल भी नहीं पटी। भीकाजी अपना सारा समय सामाजिक कार्यों में ही देने लगी थी। जब 1896 में प्लेग बीमारी से महामारी फैलने लगी तो भीकाजी पीड़ितों की सेवा करती थी और इस कारण से वह भी इस बीमारी के चपेट में आ गई थी। तबीयत बिगड़ने लगा तो इलाज के लिए उन्हें ब्रिटेन भेजा गया। वहीं उनकी मुलाकात भारतीय राष्ट्रवादी श्याम जी कृष्ण वर्मा से हुई। ब्रिटेन के भारतीय समुदाय में श्याम जी कृष्ण काफी जाने-माने चेहरे थे।

भारत छोड़ो आंदोलन ने युवाओं को बड़ी संख्या में अपनी ओर आकर्षित किया था

9 अगस्त 1942 को अंग्रेजों भारत छोड़ो के नारे के साथ महात्मा गांधी के आह्वान पर शुरू हुए आंदोलन ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाने का काम किया था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में निर्णायक भूमिका निभाने वाले इस आंदोलन में पूरे देश के लोगों की व्यापक भागीदारी रही थी। अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के शुरू होने के कुछ समय बाद ही गांधीजी को गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकताओं ने हड़तालों और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन को जिंदा रखा। इस आंदोलन ने देखते ही देखते ऐसा रूप ले लिया था कि अंग्रेजी सत्ता को दमन के सभी उपाय नाकाफी साबित होने लगे थे।

9 अगस्त 1942 को दिन निकलने से पहले ही कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सभी सदस्य गिरफ्तार हो चुके थे और कांग्रेस को गैरकानूनी संस्था घोषित कर दिया गया। गांधी जी के साथ भारत कोकिला सरोजिनी नायडू को यरवदा पुणे के आगा खान पैलेस में, डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पटना जेल व अन्य सभी सदस्यों को अहमदनगर के किले में नजरबंद किया गया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस जनान्दोलन में 942 लोग मारे गये, 1630 घायल हुए, 18 हजार डीआईआर में नजरबंद हुए तथा 60 हजार 229 गिरफ्तार हुए। जयप्रकाश नारायण, अरूणा आसफ अली व मदनलाल बागड़ी का इस क्रांति में अविस्मरणीय योगदान रहा था।

6 अगस्त 1925 को ब्रिटिश सरकार का तख्ता पलटने के उद्देश्य से बिस्मिल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान प्रजातंत्र संघ के दस जुझारू कार्यकताओं ने काकोरी कांड किया था। जिसकी यादगार ताजा रखने के लिए पूरे देश में हर साल 9 अगस्त को काकोरी काण्ड स्मृति-दिवस मनाया जाता था। इस दिन बहुत बड़ी संख्या में नौजवान एकत्र होते थे। गांधी जी ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत 9 अगस्त 1942 का दिन चुना था। दूसरे विश्व युद्ध में इंग्लैंड को बुरी तरह उलझता देख जैसे ही नेताजी सभाषचंद्र बोस ने आजाद हिन्द फौज को दिल्ली चलो का नारा दिया। गांधी जी ने मौके की नजाकत को भांप लिया और 8 अगस्त 1942 की रात में ही बम्बई से अग्रेजों को भारत छोड़ो व भारतीयों को करो या मरो का आदेश जारी किया। 1942 का अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन 1920, 1921, 1930, 1940-41 के आंदोलनों से काफी भिन्न था। इसी कारण सुभाष बाबू ने कहा था कि 1942 में पेसिव रजिस्टेन्स के युग का अंत होकर एक्टिव रजिस्टेन्स का सूत्रपात हुआ। राजनारायण मिश्र, महेंद्र चैधरी, लेना प्रसाद, मांतिगिनी हाजरा, चाफेकर बंधुओं, खुदीराम बोस, कन्हाई लाल, करतार सिंह, रामप्रसाद बिस्मित, अशफकाउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों के अविस्मरणीय योगदान ने आजादी की राह काफी सरल बना दी थी। गांधीजी का करो या मरो का नारा अत्यन्त ही शक्तिशाली मंत्र साबित हो रहा था। बापू के इस मंत्र का भी देशव्यापी असर पड़ा और यह नारा बाद में आजादी पाने का ध्येय मंत्र बन गया। इस आंदोलन को लालबहादुर शास्त्री ने एक बड़ा रूप दे दिया था। लालबहादुर शास्त्री ने 1942 में मरो नहीं मारो का नारा दिया। जिसने क्रान्ति की ज्वाला को पूरे देश में प्रचण्ड किया। 19 अगस्त 1942 को शास्त्री जी गिरफ्तार हो गए। इस आंदोलन की व्यूह रचना बेहद तरीके से बुनी गई थी। चूंकि अंग्रेजी हुकूमत दूसरे विश्व युद्ध में पहले ही पस्त हो चुकी थी और जनता भी आंदोलन की ओर झुक रही थी। लिहाजा 8 अगस्त 1942 की शाम को बम्बई में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के बम्बई सत्र में अंग्रेजों भारत छोड़ो का नाम दिया गया था। हालांकि गांधी जी को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा

कार्यकर्ता हड़ताल और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन चलाते रहे। अगस्त क्रांति आन्दोलन में महिलाओं के योगदान को कम तर नहीं आका जा सकता। अरूणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी ने आंदोलन में खूब साथ दिया। अच्युत पटवर्धन, रासबिहारी, मोहन सिंह सरीखे क्रांतिकारियों ने अमूल्य योगदान दिया। 8 अगस्त 1942 को जिस क्रांति का सूत्रपात हुआ उसने यह जाहिर कर दिया कि अब अंग्रेजी हुकूमत टिक नहीं सकती। दरअसल सन् 1942 की क्रांति पिछले सत्तावन वर्ष से राष्ट्रीय कांग्रेस जो आंदोलन चला रही थी उसका उफान था। इस आंदोलन के उफान ने अंग्रेजों की आंखें खोल दी थी। इस आंदोलन से सारा देश मानो हिल गया था। इस उफान की पृष्ठभूमि में लोकमान्य तिलक और उनके बाद महात्मा गांधी ने व्यापक जन-जागृति उत्पन्न की थी। हमारे देश को अंग्रेजो की गुलामी से तो आजाद हुये काफी साल हो गये। मगर देश आज भी भ्रष्टाचार, भेदभाव, जातिवाद की गुलामी में जकड़ा हुआ है। देश में भ्रष्टाचार, जातिवाद का जहर लोगो की रग-रग में बस चुका है। भ्रष्टाचार के चलते देश के लोगों में अलगाववाद, आंतकवाद, साम्प्रदायिकता, विघटनकारी भावना घर कर गयी है। जो देश की तरक्की की राह में एक बड़ी रूकावट बन चुकी है। जब तक देश में भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लग पायेगी तब तक देश विकाश पथ पर समुचित गति से आगे नहीं बढ़ पायेगा। भारत छोड़ो आंदोलन की ही तरह एक बार देश की जनता को नये सिरे से एकजुट होकर भ्रष्टाचार मिटाओ देश बचावो आन्दोलन चलाना होगा तभी देश सही मायने में आजाद हो पायेगा। भारत छोड़ो आंदोलन को 80 साल पूरे हो रहे हैं। ऐसे में भारत के हर नागरिक को देश के इस बड़े आंदोलन के बारे में अवश्य जानना चाहिये। देखा जाए तो यह सही मायने में एक जन आंदोलन था। जिसमें अमीर, गरीब, ग्रामीण, शहरी का भेद भुलाकर लाखों की संख्या में आम हिंदुस्तानी शामिल हुये थे। इस आंदोलन की सबसे बड़ी खासियत थी कि इसने युवाओं को बड़ी संख्या में अपनी ओर आकर्षित किया था। नवयुवक कॉलेज छोड़कर जेल जा रहे थे। इस आंदोलन का प्रभाव इतना ज्यादा था कि अंग्रेज हुकूमत पूरी तरह हिल गई थी। अंग्रेजों को इस आंदोलन को दबाने के लिए ही साल भर से ज्यादा का समय लगा था। जून 1944 में जब विश्व युद्ध समाप्ति की ओर था तो महात्मा गांधी को रिहा कर दिया गया। इस तरह आंदोलन ने ब्रिटिश हुकूमत पर व्यापक प्रभाव डाला और इसके कुछ साल बाद ही 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हुआ।

बड़ौरा प्राथमिक विद्यालय में स्वतन्त्रता दिवस पर झंडा फहराया गया

प्रखर चंदौली। जिले के धानापुर ब्लाक अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय बड़ौरा खालसा में स्वतन्त्रता दिवस की 76 साल पर झंडा फहराया गया जिसके मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान से राम मौर्या रहे बड़े ही धूमधाम के साथ 76 वीं साल झंडारोहण का कार्यक्रम हुआ जिसमें बच्चों के प्रति काफी हर्षोल्लास देखा गया बच्चे काफी खुश नजर आ रहे जिसमें प्रधान पद प्रत्याशी मनीष कुमार मिश्रा के द्वारा बच्चों को 1 कॉपी और 1 पेन देकर सम्मानित किया गया और गांव के सम्मानित व्यक्ति भी मौजूद रहे उन सम्मानित व्यक्तियों को भी मनीष कुमार मिश्रा के द्वारा अंग वस्त्र और माला पहनाकर सम्मानित किया गया साथ ही प्रधान द्वारा बच्चों को मीठा वितरण भी कराया गया जिसमें मनीष कुमार मिश्रा द्वारा प्रधानाअध्यापक को अंगवस्त्र व माला पहनाकर सम्मानित किया गया इससे सभी के अन्दर खुशी का माहौल झूम उठा ऐसा कभी सम्मान बच्चों को और मानिन्द व्यक्तियों को नहीं मिला था जैसा कि 76 साल पर सम्मान मिला हैसभी बच्चे खुश नजर आ रहे थे और महात्मा गाँधी अमर रहे के नारे लगाए और जिन्होंने हमारे देश को आजादी दिलाई है उनके नारे लगाए गए और जो सम्मानित व्यक्ति दूर दराज से आए हुए थे उनके नाम इस प्रकार दर्शाए जा रहे हैं जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रहे ग्राम प्रधान श्रीराम मौर्या और विशिष्ट अतिथि के रूप में नंदन दुबे पूर्व प्रधान राजेन्द्र दुबे बनारसी यादव प्रधानाचार्य अजीत प्रताप सिंह अध्यापक सूर्यबली यादव सुमित दुबे कोटेदार रामराज भूतपूर्व सैनिक जगत नारायण दुबे रवींद्र प्रताप दुबे गांव के सम्मानित नागरिक दिनेश यादव सत्येन्द्र यादव कैलाश दुबे पंकज दुबे संतोष प्रजापति राजा निषाद अजय यादव अरुण यादव मूरत साहनी सफाईकर्मी सुरेन्द्रप्रताप बैजंती राजेश्वर चन्देल जयप्रकाश नारायण अवनीश कुमाररसोइया उर्मिला देवी चंद्रावती आदि लोग मौजूद रहे जिसमें भूतपूर्व सैनिकों ने बच्चों को भाषण देकर संबोधित किया और भूतपूर्व सैनिकों ने बताया कि स्कूल विद्यालय के प्रति जो हम लोग के द्वारा सहयोग हुआ उसके लिए हम लोग सदैव सहयोग करते रहेंगे।

95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने हर्षोल्लास के साथ मनाया 75वां स्वतंत्रता दिवस

प्रखर वाराणसी। पहड़िया मंडी वाराणसी के 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की ओर से सोमवार को 75वें स्वतंत्रता दिवस हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया। 15 अगस्त के इस अवसर पर श्री अनिल कुमार बृक्ष कमाण्डेंट 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने प्रातः 08.30 पर क्वार्टर गार्ड पर सरमोनीयम गार्ड का निरीक्षण कर झंडारोहण किया और शहीदों को याद किया।इस बार अर्ध सैनिक बलों में सबसे अधिक वीरता पुरस्कारों से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को सम्मानित किया गया। झंडारोहण कर उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों को आजादी के गौरवशाली इतिहास से परिचय कराया तथा शहीदों को याद किया । स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति महोदय ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के विभिन्न अधिकारियों एवं जवानों को उनके बहादुरी एवम्, शौर्य चक्र और वीरता के पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। जिनका नाम श्री अनिल कुमार बृक्ष कमांडेट 95 बटालियन द्वारा पढ़ कर सभी को सुनाया गया। कार्यक्रम के बाद सभी जवानों के बीच मिठाइयां वितरित की गई। इस अवसर पर सायंकाल बटालियन मुख्यालय तथा कंपनियों की ओर से रात्रि भोज (बड़ा खाना) का आयोजन किया गया। इस मौके पर श्री महेंद्र मिश्रा उप कमान्डेंट, श्री हनुमान सिंह, श्री विनोद कुमार सिंह,श्री ज्ञानरंजन,श्री एस के दीक्षित सहायक कमांडेंट तथा जवान उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा कार्यकर्ताओ द्वारा निकाली गयीं मौन जुलुस

प्रखर खानपुर गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा 14 अगस्त विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस को मौन जूलूस निकालकर मनाया गया। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यसमिति सदस्य व सैदपुर विधानसभा का फसल बीमा योजना प्रभारी मिथिलेश दीक्षित ने कहा कि 14 अगस्त के दिन भारत का विभाजन हुआ था। उस दिन को हम भारत के लोग कभी भुला नहीं सकते। लाखो लोगों ने उस दिन अपनी जान गंवाई थी।14 अगस्त के दिन विभाजन की आंधी ने नफरत और हिंसा से तबाही मचाई थी।जाती और मजहब के नाम पर देश का बंटवारा हुआ था जिसने करोड़ों घर उजाड़ें थे। इस अवसर पर डॉ बाबूलाल,नीलेश दीक्षित,लालबहादुर यादव,अचल सिंह, हिमांशु पांडेय (कृष्णा), सत्यम पांडेय, विशाल सिंह, कमलेश सिंह पिट्टू, श्यामकुंवर मौर्या, संजीव पांडेय, राधा विनोद तिवारी समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सूखे की करें तत्काल घोषणा : सेबू

प्रखर खेतासराय(जौनपुर)। कांग्रेस के युवा नेता व सोंधी ब्लॉक के पूर्व अध्यक्ष फरहान सेबू ने कहा कि धान और गन्ने की फसल बुरी तरह बर्बाद है। सूखे की मार से हालात बद से बदतर हैं। किसान दुःखी है। मुख्यमंत्री जी से आग्रह हैं कि वर्तमान परिस्थितियों की समीक्षा कर सूखे की घोषणा करें। वह मंगलवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बात चीत कर रहे थे, उन्होंने कहा कि दो महीने से बारिश ना होने पर किसानों की फसल सूख रही है । नहरों में भी पानी नहीं है लगभग 100 रुपये लीटर डीजल या पेट्रोल से पानी देते देते किसान बेहाल हो गया है । कांग्रेस नेता ने कहा कि सूखती हुई धान की फसलों को देखते हुए केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार को उत्तर प्रदेश को सूखा प्रभावित क्षेत्र घोषित करके किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए जिससे किसानों की मदद हो सके । सरकार अपना कर्तव्य निभाये । वार्ता के दौरान डॉ लुकमान, मो परवेज, हाफिज लईक समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

गोरक्षक ने बचाई गौ माता की जान

प्रखर पिंडरा वाराणसी। वाराणसी जौनपुर हाइवे पर सुरही गांव के सामने अज्ञात वाहन के धक्के से घायल गाय माता के लिए गोरक्षक के नाम से प्रसिद्ध सुल्तान अहमद फिर देवदूत बन कर सामने आये। ग्रामीणों की सूचना पर पहुचे गोरक्षक सुल्तान पीआरवी सिपाहियों के सहयोग से उसका इलाज कराने के बाद परसरा स्थित गौशाला के लेकर जाकर सौप दिया। इस दौरान पीआरवी के सिपाही मनोज यादव, देवबन्धु के अलावा देवेंद्र, राजू पाठक व गुड्डू यादव व जतिन गुप्ता रहे। बताते चलें कि छुट्टे पशुओं के सुरक्षा के लिए रिफ्लेक्टर लगाने के साथ उनके उपचार करने के कारण क्षेत्र में सुल्तान का नाम गोरक्षक के नाम से प्रसिद्ध हो चुके हैं।

युवा नेताओं ने 75 फीट लंबा तिरंगा यात्रा निकाला

प्रखर रामनगर वाराणसी। आजादी के 75वे अमृत महोत्सव तिरंगा यात्रा में आज रामनगर के धरती पर युवा नेताओं ने 75 फीट लंबा तिरंगा यात्रा रामनगर अयोध्या मैदान से शुरू कर साहित्यानका मोड़ से होते हुए रामनगर चौराहा से शास्त्री चौक पर लाल बहादुर शास्त्री जी को माल्यार्पण कर कार्यक्रम का समापन किया जिसकी अध्यक्षता मुकेश कसेरा जी ने किया कार्यक्रम में हजारों की भीड़ रही कार्यक्रम में शतीस पटेल, अर्जुन शर्मा शिवचरण दास चौहान आकाश राजपूत मान सिंह,सिद्धात कसेरा राजेश गुप्ता, महेंद्र शर्मा व अन्य लोग सामिल थें।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ ने किया तिरंगा संकल्प सभा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के बैनर तले सिगरा स्थित भारत माता मंदिर के गेट पर अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के समस्त पदाधिकारीगण व महिला पुरुष सफाई कर्मचारी एकत्रित हुए हाथों में झंडा लेकर भारत माता की जय वंदेमातम्, बाबा साहब अंबेडकर अमर रहे, का नारा लगाते रहे` जहां एक ओर पूरा देश आजादी का 75 वां अमृत महोत्सव मना रहा है वहीं दूसरी तरफ सफाई कर्मचारियों को अवकाश भी नहीं दिया जाता है सफाई कर्मचारी प्रतिदिन की भांति इस दिन भी अपने सफाई कार्य में लगे हुए भेदभाव होने के कारण सफाई कर्मी ध्वजारोहण एवं स्वतंत्रता के बारे में नहीं जान पाते हैं इससे यह प्रतीत होता है कि सफाई कर्मचारियों को स्वतंत्रता के विषय मे जानने का अधिकार नहीं है अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के पूर्वांचल अध्यक्ष गोपाल प्रसाद जी ने कहा कि कहा कि तिरंगा संकल्प सभा में हम संकल्प लेते हैं की सफाई कर्मचारियों के साथ किसी भी प्रकार का शोषण ,उत्पीड़न होता है तो हम उनके लिए आर-पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है और शासन प्रशासन से मांग करते हैं कि हर वर्ग की भांति सफाई कर्मचारीयो को भी ध्वजारोहण में सम्मिलित होने के लिए विभाग उन्हें प्रेरित करें और प्रत्येक सफाई चौकियों पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सफाई एवं खाद्य निरीक्षक की उपस्थिति में ध्वजारोहण कार्यक्रम मे सफाई कर्मचारियों को भी सम्मिलित किया जाए जिससे सफाई कर्मचारियों के अंदर जागरूकता आएगी और वह अपने अधिकारों को जानने के लिए तैयार होंगे तब जाकर असली स्वतंत्रता सफाई कर्मचारियों के लिए माना जाएगा` तिरंगा संकल्प सभा में वाराणसी मंडल के अध्यक्ष राजकुमार ,वाराणसी जिलाध्यक्ष धीरू कुमार ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिलीप कुमार ,प्रधान महासचिव पवन कुमार, महासचिव मनोज पाल सहित इत्यादि लोग शामिल रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर कुबा में मना आजादी का जश्न

प्रखर खेतासराय जौनपुर। आजादी की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर पूरा देश में जहां अमृत महोत्सव के रूप में स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। वहीं शाहगंज तहसील क्षेत्र के उसरहटा स्तिथ कुबा इंटरनेशनल स्कूल में सोमवार को धूमधाम से आजादी का जश्न मनाया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर डॉक्टर मोहम्मद अरशद ने ध्वजारोहण किया।बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ फारुख व मोहम्मद अख्तर साब ने बच्चों का हौसलाअफजाई किया। प्रधानाचार्य अनवार अहमद खान ने छात्रों को देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए शपथ दिलाई व सोदा रेहान के द्वारा पेश की गई "ए प्यारे वतन भारत तू जान से प्यारा है।"नज्म के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।कार्यक्रम का संचालन एलिजा सिद्दीकी ने किया।सभी प्रोग्राम को तैयार कराने में अबुआजम व अब्दुल्ला खान की अहम भूमिका रही।वही प्ले ग्राउंड की परेड की कमान अम्बिका प्रसाद यादव ने बखूबी संभाला। स्कूल के मैनेजर मौलाना अबरार अहमद सिद्दीकी ने सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ सभी आगंतुकों का तहे दिल से धन्यवाद फरमाया।

प्ले ग्राउंड में बना भारत का नक्शा रहा चर्चा का विषय- खेतासराय। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बच्चों के मनमोहक प्रस्तुति से आजादी के जश्न को यादगार बना दिया।वही ठाकुर मनोज सिंह, अबु होजैफा व मजहर शेख द्वारा बनाया गया भारत का नक्शा ने खूब सुर्खियां बटोरी।आयेशा एंड टीम द्वारा पेश की गई नज्म हमारा देश भारत है को प्रथम और माहे बेलाल की इंग्लिश स्पीच को द्वितीय स्थान मिला।

स्वतंत्रता दिवस के जश्न में डूबा जेडी कान्वेंट स्कूल-

खेतासराय। जेडी कन्वेंट स्कूल में प्रिंसिपल डॉ गीता मौर्य ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर भाजपा नेता सभासद जगदंबा प्रसाद पांडेय, डॉ चंद्रजीत मौर्य, राकेश राजभर,वरिष्ठ पत्रकार इन्द्रजीत सिंह मौर्य, पत्रकार यूसुफ खान, पत्रकार मोहम्मद अरशद, मोहम्मद कुल्लूर, गुड्डू व शिक्षक नागेंद्र कुमार , सुरेंद्र श्रीवास्तव, रजनी बरनवाल समेत अन्य शिक्षिका उपस्थित रही।

आजादी में छिपा हुआ है अनगिनत बलिदान हमारा

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। देश के पचहतरवां स्वतंत्रता दिवस के मौके पर क्षेत्र के खड़ौरा गांव में ब्राह्मण युवा एकता मंच एवं माता प्यारी देवी ट्रस्ट के संयुक्त बैनर तले प्रातः ध्वजारोहण कर सायं एक शाम वतन के नाम विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।जिसमें साहित्यकार, पत्रकार, समाजसेवी सहित गांव के गणमान्य लोगों ने शिरकत किया। वक्ताओं ने कहा कि आज से पचहत्तर साल पहले देश गुलाम था।और अंग्रेजों की क्रूर हुकूमत का जुल्म और सितम सहने को लाचार था। परंतु देश भक्तों के अथक प्रयास और अविस्मरणीय बलिदान के चलते देश गुलामी की बेड़ी से मुक्त हुआ ।फल स्वरूप आज हम आजाद होकर देश के पचहतरवें स्वतंत्रता दिवस को अमृत महोत्सव के रूप में मना रहे हैं।

तिरंगा यात्रा निकाल कर हम दुनियां को यह दिखाने का भरसक प्रयास कर रहे हैं कि जिस देश को कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था।जिसे फिरंगियों ने दोनों हाथों से लूटकर खोखला बना दिया। आज वही देश फिर से विश्वगुरु के रुप में अटल चट्टान की तरह सबके सामने दुनियां के शक्तिशाली देशों में सुमार हो रहा है।यह देश की महान विभूतियों के त्याग और बलिदान का प्रतिफल है। कार्यक्रम को ऊंचाई प्रदान करने के लिए बीच बीच में देशभक्ति गीत और कविताओं का सिलसिला भी चलता रहा। चर्चित कवि और गीतकार गौरीशंकर पाण्डेय सरस ने अपनी मुक्तक रचनाओं से समां बांधते हुए कहा कि तीन रंग से रंगा तिरंगा शाने हिंदुस्तान हमारा। आजादी में छिपा हुआ अनगिनत बलिदान हमारा -- इस मौके पर फौजी राजेश कुमार पांडेय, मोती पाण्डेय, रमेश पाण्डेय,अजय कुमार पांडेय,सरोज पांडेय,मनोज कुमार पांडेय, रोहित पाण्डेय, अरूण चौहान आदि संग मेधावी क्रिकेट के खिलाड़ी उपस्थित थे। अध्यक्षता राजेन्द्र पाण्डेय तथा संचालन गौरीशंकर पांडेय ने किया।

सॉल्वर गैंग की तोड़ी थी कमर, सब इंस्पेक्टर सूरज तिवारी को मिला गृहमंत्री एक्सीलेंस इन इंवेस्टिगेशनी मेडल

प्रखर दानगंज वाराणसी। आजादी का अमृत महोत्सव काशी के सूरज तिवारी के लिए खास होने जा रहा है। वजह, एसआई सूरज तिवारी को केंद्रीय गृह मंत्री का एक्सीलेंस इन इन्वेस्टिगेशन मेडल के लिए जो चुना गया है। दरअसल ये सूरज तिवारी ही हैं जिन्होंने गत वर्ष नीट सॉल्वर गिरोह का पदार्फाश कर गिरोह के सरगना पीके सहित 15 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस की ये बड़ी उपलब्धि रही।वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस की बड़ी कामयाबी बता दें कि पुलिस कमिश्नर ए सतीश गणेश के निर्देशन में नाटी इमली पुलिस चौकी के एसआई सूरज तिवारी ने साल्वर गैंग केस की विवेचना की थी। अंतर्राज्यीय सॉल्वर गिरोह के सरगना नीलेश ऊर्फ पीके सहित दर्जनों अपराधियों को जेल भेजा गया था। इस जांच में क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर अंजनी पांडेय ने का भी महत्वपूर्ण योगदान था। गत वर्ष नीट (ठएएळ) सॉल्वर गैंग की सफलतापूर्वक जांच करने के कारण उन्हें यह मेडल दिया जा रहा है। बता दें कि गत वर्ष जुलाई में

इस मामले में सारनाथ थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। ऐसे में उन्हें मुकदमे का सफलतापूर्वक विवेचना करने के लिए एसआई तिवारी को केंद्रीय गृह मंत्री के एक्सीलेंस इन इन्वेस्टिगेशन मेडल के लिए चुना गया है। पुलिस कमिश्नर ए सतीश गणेश के मुताबिक 15 अगस्त के अवसर पर हुई ये घोषणा कमिश्नरेट वाराणसी पुलिस के लिए गौरव का विषय है। ये वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस की बड़ी कामयाबी है।सभी आरोपी गैंगस्टर एक्ट के तहत जेल में बंद हैं।वर्तमान में साल्वर गिरोह के सभी आरोपी गैंगस्टर एक्ट के तहत जेल में बंद हैं। सब इंस्पेक्टर सूरज तिवारी वर्तमान में चौकी प्रभारी नाटी इमली के पद पर तैनात हैं।2018 में हुआ था इस सम्मान का आगाज केंद्रीय गृह मंत्री का एक्सीलेंस इन इन्वेस्टिगेशन मेडल में विशेष संचालन पदक, पुलिस आंतरिक सुरक्षा सेवा पदक, असाधारण कुशलता पदक, उत्कृष्ट एवं अति उत्कृष्ट सेवा पदक और जांच में उत्कृष्टता पदक शामिल हैं। पिछले वर्ष इस मेडल से देश भर के 152 पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया जा चुका है। इस पदक का उद्देश्य पुलिसर्मियों को प्रोत्साहित करना है।

बाप के कंधों पर जवान बेटे का जनाजा देखकर नम हो गई सभी की आंखें

प्रखर गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के ग्राम डुमरी इंटर कालेज तिरेह के पास हासपाटी मोड़ पर बीते रविवार श्याम5.00 बजे ग्राम प्रधान पनिका पूजा पाण्डेय के देवर धीरज पांडे उर्फ गुड्डू को बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मंगलवार को किए गए अंतिम संस्कार में जब मृतक के पिता ज्वला पाण्डेय ने जवान बेटे की अर्थी को कंधे पर उठाया और शमशान की ओर आगे बढ़े, तो फफक कर रो पड़े । उन्हें बेटे के साथ बिताए यादें ताजा हो गई। गमगीन नजारा देखकर सभी की आंखें नम हो गईं । मृतक धीरज पांडे अपने चार भाइयों में दूसरे नंबर का था । भाई धीरज पांडे के अतिरिक्त तीन भाई नीरज, पंकज, तथा सत्येन्द्र पाण्डेय है। धीरज की शादी 13 माह पहले,थाना क्षेत्र के ग्राम शीहापार में अंजनी देवी से हुई थी । अंजनी के पेट में 7 माह का बच्चा है। मजदूरी करके वह अपने परिवार का भरण पोषण करता था। परिवार की जिम्मेदारी उसी के कंधों पर थी।

नौका विहार जट्टी पर लाखों लोगों ने एकत्रित होकर एक साथ राष्ट्रगान गाया

प्रखर गोरखपुर। स्वतंत्रता दिवस की 75 वीं वर्षगांठ पर आजादी के अमृत महोत्सव पर 76 वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर गोरखपुर विकास प्राधिकरण द्वारा आयोजित नौका विहार जेट्टी पर राष्ट्रबंधन कार्यक्रम के तहत सांस्कृतिक व राष्ट्रगान कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां चारों तरफ तिरंगा झंडा ही दिखाई दे रहा था गोरखपुर के लगभग लाखों लोग रामगढ़ ताल सड़क नोका बिहार जट्टी पर एकत्रित होकर आजादी के वीर सपूतों को याद करते हुए एक साथ राष्ट्रगान गाया इस दौरान महापौर सीताराम जयसवाल एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह विधायक पिपराइच महेंद्र पाल सिंह विधायक ग्रामीण विपिन सिंह विधायक सहजनवा प्रमोद शुक्ला अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन अखिल कुमार जिलाधिकारी कृष्ण करुणेश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव ग्रोवर जीडीए उपाध्यक्ष प्रेम रंजन सिंह पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण विश्नोई एआरओ विनोद सिंह क्षेत्राधिकारी कैंट श्यामदेव रामगढ़ ताल पुलिस सहित सुरक्षा व्यवस्था का मुक्ता इंतजाम किया गया था जीडीए द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जनपद वासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जिधर देखे उधर तिरंगा झंडा ही नजर आ रहा था जनपद वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाए दी गई ।

आजादी की लड़ाई में अगस्त क्रांति में सेनानियो की अहम भूमिका

अंकित मिश्रा

खानपुर। गाजीपुर जनपद के खानपुर में सत्रह जनवरी 1903 को जन्मे अमर सेनानी स्वर्गीय बलदाऊ पांडेय उन आजादी के मतवालों में से एक है,वो एक महान देशभक्त थे जब आजादी का संघर्ष अपने चरम पर था तो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी से प्रेरित होकर वो भी इस लड़ाई में कूद पड़े और अपने तमाम साथियों जिनमें स्वर्गीय हरिप्रसाद सिंह, रमनगीना राय, रामसूरत सिंह, बनवारी पाण्डेय, इंद्रदेव त्रिपाठी, स्वामी सहजानंद ऐसे अनेक साथियों के साथ वो अगस्त क्रांति में भाग लिए और सैदपुर स्थित तहसील पर झंडा फहराया और आजादी का बिगुल फुक दिया तत्पश्चात वह औड़ीहार रेलवे स्टेशन और रजवाड़ी हवाई अड्डे पर कुच कर अस्त व्यस्त कर दिया जिसमें अग्रेजों ने इनपर लगभग 35 मुकदमे चलाए और देखते गोली मारने के आदेश दे डाले फिर भी ये देश भक्त निडर हो कर आगे बढ़ते रहे।

वतन पर मर मिटने वालों में से एक थे बलदाऊ पांडेय- 1942 में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ सैदपुर के क्रांतिकारियों में गुस्सा बारूद बनकर सुलग रहा था। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

बलदाऊ पांडेय के नेतृत्व में मीटिंग घर शांति कुटीर और औड़िहार में कुछ कर गुजरने के लिए लगातार बैठकें हो रही थीं।जिसमें क्षेत्र के क्रांतिकारी बंसी सिंह, जंगली अहीर, विद्या देवी, जमीर, किशोरी, कमला सिंह, महेश सिंह, रामदेव, सीताराम, शंभू नाथ, तपई राम, सुंदर सिंह, अंतू प्रसाद, अध्यापक कामता प्रसाद श्रीवास्तव, आत्माराम पांडे, राम जी पांडे आदि शामिल थे। इन्होंने जुलाई के महीने में पूरा प्लान बनाकर तैयार कर लिया। क्रांतिकारियों ने तय किया कि बलदाऊ पांडे के नेतृत्व में सबसे पहले सैदपुर से 12 किलोमीटर दूर रजवारी हवाई अड्डे को नेस्तनाबूद किया जाएगा। फिर आत्माराम पांडे के नेतृत्व में सैदपुर तहसील पर तिरंगा झंडा लहराया जाएगा।

टाउन नेशनल इंटर कॉलेज के उजाड़ दिया था रजवारी हवाई अड्डा- 12 अगस्त 1942 की सुबह अध्यापक कामता प्रसाद श्रीवास्तव के नेतृत्व में कुछ क्रांतिकारी टाउन नेशनल स्कूल पहुंचे। यहां स्कूल के सभागार में कक्षा 8, 9 और 10 के लगभग ढाई सौ विद्यार्थियों को संबोधित किया। फिर उन्हें रजवारी हवाई अड्डा नेस्तनाबूद करने का पूरा प्लान बताया। सभी विद्यार्थी अध्यापक कामता प्रसाद के साथ भारत माता की जय का नारा लगाते हुए औड़िहार रेलवे स्टेशन पहुंचे। जहां पहले से ही बलदाऊ पांडे के नेतृत्व में 50 क्रांतिकारी हाथों में कुदाल, फावड़ा और हथौड़ा लेकर उनका इंतजार कर रहे थे।

20 अगस्त को सैदपुर तहसील में तिरंगा फहरा- वहां से सभी क्रांतिकारी नाव से गोमती नदी पार कर वापस सैदपुर लौट रहे थे। तभी अंग्रेज पुलिस ने औड़िहार से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बलदाऊ पांडे सहित आधा दर्जन क्रांतिकारियों को गिरफ्तार कर लिया। जिन्हें पीटकर जेल भेज दिया गया। एक हफ्ते बाद सैदपुर में फिर बचे हुए क्रांतिकारियों की मीटिंग हुई। जिसमें 20 अगस्त को सैदपुर तहसील पर तिरंगा फहराने का निर्णय लिया गया था।1942 में बीस अगस्त को सैदपुर तहसील पहुँच करीब डेढ़ सौ क्रन्तिकारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आत्माराम पांडेय के नेतृत्व में पहुँच गये।क्रांतिकारियों को पहुँचता देख सभी अंग्रेज सिपाही वहाँ से फरार हों गये।और क्रांतिकारियों ने तहसील पर झंडा फहराया और भारत माता जय की नारा लगाते हुये सैदपुर भीतरी रेलवे स्टेशन पहुँच गये जहाँ क्रांतिकारियों ने तोड़फोड़ आगजनी करते हुये चल दिये।

चौपाल सागर में धूमधाम से मनाया गया आजादी का अमृत महोत्सव

प्रखर चन्दौली । आई टी सी चौपाल सागर के एरिया मैनेजर सुशील सिंह व चौपाल सागर के इंचार्ज सुनील सिंह के नेतृत्व में सुबह 11:00 बजे चौपाल सागर के कर्मचारी व ग्रामीणों के साथ तिरंगा यात्रा निकाली गई, तिरंगा यात्रा को हरी झंडी आई टी सी चौपाल सागर के एरिया मैनेजर ने दिखाकर किया रवाना ।आपको बता दें कि तिरंगा रैली आई टी सी चौपाल सागर से शुरू होकर कस्बा में भ्रमण करती हुई गंजख्वाजा गांव पर जाकर समाप्त हुई। वही घर-घर तिरंगा वितरण किया गया,आजादी के अमृत महोत्सव के तहत वंदे मातरम एवं भारत माता की जय के उद्घोष के बीच उत्साह के साथ तिरंगा रैली निकाली गई। वहीं आईटीसी चौपाल सागर के एरिया मैनेजर ने बताया कि खेती बारी के समय में आप लोग अपना अमूल्य समय जो आई टी सी परिवार को दिया मैं सबसे पहले उन किसान भाइयों को तहे दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं । उन्होंने कहा कि 75 वर्ष के पहले हमारा भारत कैसा रहा होगा , उसकी हम लोग कल्पना भी नहीं कर सकते। लेकिन आज 75 वर्ष की जो जिंदगी जी रहे हैं उससे काफी बेहतर है। प्रधानमंत्री का भी यह सपना है कि जो हमारी पीढ़ी वह हम लोगों से बेहतर जिंदगी जिए, किसान भाई के लिए दोगुनी आय के लिए सरकार कार्य कर रही है। और साथ ही साथ आई टी सी 20 वर्ष से धान गेहूं के खरीदारी के लिए चंदौली मैं भी कृषि के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले आईटीसी मार्श ऐप लांच किया गया था, जिसके द्वारा किसान भाई घर बैठे गेहूं ,धान का रेट अपने घर से चेक कर सकते हैं।

देश भर मे मनाए जा रहे आजादी के जश्न में डूबा नगर पंचायत बृजमनगंज

प्रखर पूर्वांचल महाराजगंज। एक तरफ जहां हमारे देश मे आजादी के 75 वीं वर्षगांठ पर घर घर तिरंगा फहराकर संपूर्ण विश्व मे इतिहास रचते हुए अपनी एकता एवं अखंडता को प्रदर्शित कर रहा है वहीं महराजगंज जिले का नवनिर्मित नगर पंचायत बृजमनगंज अपनी संस्कृति एवं सभ्यता के साथ स्थानीय नागरिकों ने बिना किसी भेदभाव के घर घर तिरंगा फहराकर देश का मान बढाया तो दूसरी तरफ स्वतंत्रता दिवस के इस पावन पर्व पर स्थानीय स्कूल कालेज सरकारी संस्थान आशा वर्कर जनप्रतिनिधियों ने ध्वजारोहण कर झांकी एवं रैली निकालते हुए आजादी के इस अमृत महोत्सव का जश्न मनाते हुए गौरवान्वित महसूस कर रहे थे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जब महात्मा गांधी इंटर कॉलेज बृजमनगंज द्वारा NCC के जवानों ने फ्लैग मार्च व ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी तब यह नजारा राजपथ जैसा नजर आने लगा उनके कदमो की थाप उपस्थित लोगों में देशभक्ति का जुनून पैदा कर दिया। विद्यालय के प्रबंधक माया देवी उप प्रबंधक आशीष जायसवाल विद्यालय काउंसिल मेंबर अभिषेक कुंवर जायसवाल प्रधानाचार्य डॉ राम अवतार व समस्त अध्यापकों की मौजूदगी में भव्य तिरंगा रैली(प्रभात फेरी)निकाली गई जो पूरे नगर में भ्रमण कर लोगों में देशभक्ति की भावना जगाते हुए आगे बढ़ती गई इस मनोरम दृश्य देखकर नगर पंचायत बृजमनगंज की सारी जनता मंत्रमुग्ध हो गई। वहीं जीएस नेशनल पब्लिक स्कूल काली नगर बृजमनगंज के प्रबंधक नवीन सिंह के नेतृत्व में तिरंगा रैली निकाली गई जो विद्यालय से चलकर रेलवे स्टेशन पर पहुंची जहां पर बच्चों ने अपने अपने स्पीच के माध्यम से लोगों को प्रभावित किया और विद्यालय की तरफ से भारत माता बनी स्कूल की होनहार छात्रा कशिश जायसवाल ने लोगों का दिल जीत लिया। वहीं पर लॉर्ड कृष्णा पीजी कॉलेज भगतपुर पश्चिम के छात्र छात्राओं द्वारा भी प्रभात फेरी निकाली गई।

"देश हो या विदेश जहाँ भी हिंदुस्तानी है वहा आजादी का जश्न अपने अपने तरीके से लोग मना रहे है परन्तु महराजगंज जिले के बृजमनगंज नगर पंचायत में जिस प्रकार से स्वतंत्रता दिवस मनाई गई वो सदियों तक अनुकरणीय रहेगी,।

इसी क्रम में ऑलमाइटी इंटरमीडिएट व पीजी कॉलेज बृजमनगंज लॉर्ड कृष्णा पीजी कॉलेज भगतपुर पश्चिम जीएस नेशनल पब्लिक स्कूल काली नगर बृजमनगंज डा.भीमराव अम्बेडकर पब्लिक स्कूल बृजमनगंज ,रामनाथ पब्लिक जूनियर हाईस्कूल मदनपुरवा नौसागर में क्रमशः विद्यालय के अभिभावक व प्रबंधक महमूद आलम, कमलेश पांडे, नवीन सिंह, शशिकांत जायसवाल,चंद्र बदन गुप्ता के द्वारा अपने विद्यालय में ध्वजारोहण कर पूरे हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ 75वां स्वतंत्रता दिवस आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। साथ में इसी क्रम में नगर पंचायत बृजमनगंज कार्यालय और तमाम जनप्रतिनिधियों(भावी नगर पंचायत अध्यक्ष पद प्रत्याशी दिलीप चौधरी ,राकेश जायसवाल गणेश जायसवाल, शशिकांत जायसवाल सभासद प्रत्याशी पंकज श्रीवास्तव) द्वारा नगर में विशाल तिरंगा एकता रैली अलग-अलग रूपरेखा में उनके द्वारा निकाली गई।क्षेत्र के वर्तमान विधायक वीरेंद्र चौधरी से लेकर पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह तिरंगे के साथ पदयात्रा मे शामिल रहे। नगर पंचायत बृजमनगंज के कोने-कोने से भारत माता की जय हिंदुस्तान जिंदाबाद 15 अगस्त अमर रहे शहीद जवान अमर रहे के नारों से गूंज उठा और आज हर बच्चे बूढ़े बुजुर्ग जवान के हाथों में तिरंगा दिखाई दिया आज लोगों ने स्वतंत्रता दिवस को मनाया ही नहीं उसे जिया भी ऐसा प्रतीत हो रहा था एक आजादी 1947 को मिली थी और उसकी खुशियां आज दिखाई पड़ रही हैं आज हमारा पूरा देश तिरंगा मैं हो गया है आज पड़ोसी देशों से व ऊपर आसमान से कोई भी देख रहा होगा तो उसे सिर्फ हिंदुस्तान की धड़कन हिंदुस्तान की जान हिंदुस्तान की आन बान शान तिरंगा दिखाई दे रहा होगा। यह तिरंगा और तिरंगे के तीनों रंग हमें और इन हिंदुस्तान में रहने वाले हर वर्गों को एक साथ लेकर चलने और एक तिरंगे में बांटने का कार्य करता है। आज स्वतंत्रता दिवस पर जहां 75वां आजादी का अमृत महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है वहीं स्थानीय पुलिस प्रशासन की भूमिका बहुत ही अहम रही प्रशासन ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और कहीं भी किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं घटी।सभी रैली कार्यक्रम से लेकर रैलियां शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। ऐसे देश के जवानों को देश की जनता सलाम करती है।

मॉडर्न विंग्स पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस आजादी का अमृत महोत्सव

प्रखर पतरही जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोपा में स्थित मॉडर्न विंग्स पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस के 75वीं वर्षगांठ आजादी का अमृत महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।मॉडर्न विंग्स पब्लिक स्कूल के सभी स्टाफ की उपस्थिति में स्कूल के प्रबंधक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित महाविद्यालय एसोसिएशन अनिल यादव(मैनेजमेंट गुरु) ने देश की आन बान व शान तिरंगा फहराया और भारत माता की पूजा करते हुए शहीदो को श्रद्धा सुमन अर्पित किया व राष्ट्रगान कर झंडे को दी सलामी।स्वतंत्रता दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया स्कूल के बच्चों ने

मनमोहक नाटक,डांस प्रस्तुत कर-के सबका मन मोह लिया।अनिल यादव "मैनेजमेंट गुरु"ने कविता के माध्यम से कहा आओ झुककर सलाम करें उन्हें,जिनकी जिंदगी में मुकाम आया है,किस कदर खुशनसीब है वो लोग,जिनका लहू भारत के काम आया है।इस अवसर पर कोपा के ग्राम प्रधान चन्द्रकेश जायसवाल व कालेज के स्टाफ डॉ सन्तोष यादव,डॉ कमलेश कुमार,इंद्रसेन यादव, सन्तोष कुमार गौड़,किरण सिंह, कुसुम, संजय यादव, अन्नू, सोनी, प्रमोद चौबे आदि लोग उपस्थित रहे।

आजादी का अमृत महोत्सव पर गरीबों को राशन व राशन कार्ड वितरण किया गया : संजय सिंह

प्रखर चौबेपुर वाराणसी। आजादी का अमृत महोत्सव पर घर तिरंगा तथा खाद्य रसद विभाग वाराणसी द्वारा ग्राम सभा सोनबरसा कार्यक्रम रखा गया। जिसमें भाजपा के जिला उपाध्यक्ष श्री संजय सिंह मुख्य अतिथि थे।उनके द्वारा सात गरीब परिवार को राशनकार्ड तथा राशन भी दिया गया।जिला पूर्ति अधिकारी श्री उमेश चंद्र मिश्रा ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा हर गरीब को राशन मुहैया कराने के लिए यह अभियान चलाया गया है। जो लोग अभी राशनकार्ड से वंचित रह गये है।उनका तुरंत कार्ड बनाया जायेगा। जिला उपाध्यक्ष ने कहा कि हर गरीब परिवार को हर संभव मदद का प्रयास किया जायेगा। जिला उपाध्यक्ष जी द्वारा कुछ गरीब परिवार को राशनकार्ड व राशन भी दिया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय खाद्य

अधिकारी सदर श्री गुलाब यादव पूर्ति निरीक्षक श्री उदय राज ग्राम प्रधान डुबकियां संजीव सिंह राजकुमार सिंह तथा कोटेदार संघ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी लक्ष्मी पाण्डेय अशोक कुमार तथा तमाम ग्रामवासी उपस्थित थे।

कोपा के कम्पोजिट विद्यालय एवं सरस्वती शिशु मंदिर में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मना

प्रखर पतरही जौनपुर।स्थानीय क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोपा में स्थित कम्पोजिट विद्यालय एवं सरस्वती शिशु मंदिर में स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परसांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने अपने प्रस्तुति से सबका दिल जीत लिया।बता दें कि लोकचेतना संस्था जौनपुर के जिला अध्यक्ष एवं पतरही बाजार निवासी बरनवाल आभूषण भण्डार के मालिक मनोज बरनवाल के बड़े बेटे निशांत बरनवाल ने कोपा के कम्पोजिट विद्यालय व नेवादा रोड पर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में तिरंगा झंडा एवं मिठाइयों का वितरण किया।कम्पोजिट विद्यालय एवं सरस्वती शिशु मंदिर के शिक्षकों ने लोकचेतना संस्था के अध्यक्ष के.के उपाध्याय एवं जौनपुर के जिला अध्यक्ष निशान्त बरनवाल का ह्रदय से आभार प्रकट किया। इस अवसर पर भोला यादव, जय प्रकाश तिवारी, सिधेश्वर तिवारी,ग्राम प्रधान चन्द्रकेश जायसवाल,दर्पण बरनवाल, मनोज यादव,भीम यादव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया

प्रखर कछवाँरोड वाराणसी। मिजार्मुराद वाराणसी भारतीय जनता पार्टी राजातालाब मण्डल द्वारा आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ तिरंगा पद यात्रा मण्डल कार्यालय मिजार्मुराद से शुभारंभ हो कर राने चट्टी होते हुए पुरानी बाजार से हनुमान मंदिर के पास से होते हुए मण्डल कार्यालय पर समापन हुआ।पद यात्रा कार्यक्रम का मण्डल कार्यालय से शुभारंभ पूर्व जिलाध्यक्ष डॉक्टर आजाद सिंह गौतम एवं मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बिन्द के द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया, जिसमें मुख्य रुप से जिला सेवा प्रमुख आर एस एस मुकेश जी, मंडल महामंत्री मंत्री सुजीत पाल मंडल उपाध्यक्ष अनिल कुमार पांडेय,मण्डल मंत्रीद्वय अनिता सिंह व सतीश विश्वकर्मा,शीतला पटेल,राजकुमार सिंह,जितेंद्र राजभर,कन्हैया लाल भारतीय आदि भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ता एवं जनमानस ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया साथ में मैं मंडल कार्यालय प्रभारी ज्ञानचंद सेठ आदि भाग लिया।

तहसील से लेकर स्कूलों तक शान से फहरा तिरंगा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवो व सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं में शान से तिरंगा फहरा।तहसील पिंडरा में एसडीएम पुष्पेंद्र पटेल, सीओ कार्यालय पर सीओ अभिषेक पांडेय, ब्लॉक पर बीडीओ दीपंकर आर्य, गजोखर नवोदय विद्यालय में प्राचार्य पीके सिंह, बीआरसी पर बीईओ मंगरु राम, खालिसपुर स्थित संत नारायण बाबा इंटर कालेज में श्रीप्रकाश मिश्रा, गीता आईटीआई कॉलेज में प्रबंधक सरोज कुमार उर्फ मुन्ना चौबे, ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल फूलपुर में संजीव सिंह, नेशनल इंटर कालेज में रामाश्रय सिंह, कथौली स्थित माँ शारदा महिला महाविद्यालय पर प्रबंधक राखी सिंह, महारानी गुलाब कुँवरि महाविद्यालय पर प्राचार्या छाया पाठक ने ध्वजारोहण किया। वही कठेरवा में अपने आवास पर सपा विधायक तूफानी सरोज,

करखियाव एग्रो पार्क में एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज मद्धेशियाँ , कुआर में भाजयुमो ने शुभम जायसवाल, पिंडरा में रामू गुप्ता, फूलपुर में डॉ रंगनाथ दूबे , मंगारी में कमल पटेल ने झंडा फहराया। इस दौरान जगह जगह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ विद्यालय के बच्चो द्वारा प्रभातफेरी निकाली गई। क्षेत्र इंटर कालेज व परिषदीय विद्यालयों में भी तिरंगा फहरा।

स्वतंत्रता दिवस के जश्न में डूबा जेडी कान्वेंट स्कूल

प्रखर खेतासराय(जौनपुर)। आजादी 75 वी वर्षगाँठ पर स्वतंत्रता दिवस नगर समेत बहुत ही धूमधाम से मनाया गया । सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों समेत हर तरफ तिरंगा शान से फहराया गया । सैकड़ो लोगों ने तिरंगा जुलूस निकालकर स्वतंत्रता दिवस अपने तरीके से मनाया । सोमवार के दिन आजादी के मौके पर अलग ही रौनक दिखी । थाना परिसर में थानाध्यक्ष यजुर्वेन्द्र सिंह ने गार्ड ऑफर ऑनर के साथ झण्डा फहराया । जेडी कन्वेंट स्कूल में प्रिंसिपल डॉ गीता मौर्य ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर भाजपा नेता सभासद जगदंबा प्रसाद पांडेय, डॉ चंद्रजीत मौर्य, राकेश राजभर,वरिष्ठ पत्रकार इन्द्रजीत सिंह मौर्य, पत्रकार मोहम्मद अरशद, मोहम्मद कुल्लूर, गुड्डू व शिक्षक नागेंद्र कुमार , सुरेंद्र श्रीवास्तव, रजनी बरनवाल समेत अन्य शिक्षिका उपस्थित रही।

पिंडरा में व्यापारियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। आजादी के अमृत महोत्सव पर 15 अगस्त को झंडा फहराने व जुलूस निकालने की होड़ सी दिखी। पिंडरा बाजार में व्यापारियों द्वारा निकली तिरंगा यात्रा के चलते वाराणसी जौनपुर मार्ग पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। व्यापार मंडल पिंडरा में अध्यक्ष विपिन उर्फ पिंटू जायसवाल के नेतृत्व में सोमवार को निकली तिरंगा यात्रा में सैकड़ो व्यापारियों में पहली बार एकता दिखी। एक साथ सड़क पर तिरंगा लेकर उतरने से जाम लग गया। यात्रा का शुभारंभ व्यापार मंडल के संरक्षक प्रिंन्स जायसवाल ने किया।

तिरंगा यात्रा पिंडरा स्थित डिनर क्लब से नेशनल इण्टर कालेज होते हुए राम जानकी मंदिर पर राष्ट्रगान के साथ समाप्त हुआ। सुबह 9 बजे राष्ट्रगान शुरू होते ही राहगीर से लेकर बसों में सवार लोग भी उतर गए और राष्ट्रगान में भाग लिया। तिरंगा यात्रा में प्रमुख रूप से उपाध्यक्ष उमेश जायसवाल, महामंत्री राजन अग्रहरी, मीडिया

प्रभारी शिवम गुप्ता, राजू सेठ, प्रकाशचंद जायसवाल, रामू गुप्ता, रमेश जायसवाल, मोनू मोदनवाल, पवन मोदनवाल,अंकित अग्रहरी, सुनील जायसवाल, सहित सैकड़ों व्यापारियों शामिल रहे। वही रामपुर ओवरब्रिज से निकली तिरंगा यात्रा 2 किमी तक थाना स्थित मिडिल स्कूल तक गई। इस दौरान वन्दे मातरम, भारत माता की जय के नारे से गूंज उठा। यात्रा में सुरेश पांडेय, विनोद पाण्डेय, शैलेन्द्र पाण्डेय, रजनीश पाण्डेय, मनीष सिंह, विक्रम सिंह प्रदीप चौबे, संजय मिश्रा रहे। कुआर से बाबतपुर तक प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी तिरंगा यात्रा बाबतपुर तक निकाली गई। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा कुलदीप पटेल, शुभम जायसवाल, विपिन पटेल, अनिल पटेल , अमरहादुर सोनकर ,श्रवण पटेल श्यामसुंदर पटेल समेत अनेक लोग रहे। वही फूलपुर में जनसेवा समिति द्वारा वनवासी बस्ती में अध्यक्ष सुल्तान अहमद द्वारा फल व मिष्ठान का वितरण किया गया।

संक्षिप्त खबरें

ध्वजारोहण के बाद निकली तिरंगा यात्रा हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। केराकत तहसील क्षेत्र के दक्षिणांचल के सभी सरकारी संस्थानों स्कूलों कालेजो ग्राम पंचायत भवनों अमृत सरोवरों तथा निजी प्रतिष्ठानों पर आज तिरंगा झंडा फहराया गया। प्रभात फेरिया निकालकर भारत माता और बंदेमातरम के जयकारे से वातावरण राष्ट्रभक्ति से सराबोर हो गया। विविध साँस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए मिठाईयां बांटी गई। जनता इण्टर कालेज रतनूपुर में प्रधानाचार्या रजनी द्विवेदी ने ध्वजारोहण किया।लेफ्टिनेंट सुनील कुमार के नेतृत्व में एनसीसी कैडेटो ने तिरंगे को सलामी दी।

बीएनएस कालेज नरिया में विश्व हिन्दू परिषद माधव प्रखंड का स्वतंत्रता दिवस का भव्य कार्यक्रम मनाया गया

प्रखर वाराणसी। काशी 15 अगस्त के अवसर पर बी एन एस कालेज नरिया में विश्व हिन्दू परिषद माधव प्रखंड का स्वतंत्रता दिवस का भव्य कार्यक्रम मनाया गया । बच्चो से खचाखच भरे मैदान मे यह कार्यक्रम बहुत धूमधाम से मनाया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय मंत्री श्रीमान बसंत रथ जी थे । यह आयोजन महानगर उपाध्यक्ष श्रीमान धीरज सिंह जी के नेतृत्व मे हुआ । मंच संचालन बजरंगदल के महानगर संयोजक कृपा शंकर जी कर रहे थे । बच्चो के देशभक्ति प्रस्तुति ने पूरा माहौल देशभक्ति से भर दिया । इस कार्यक्रम कि अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक श्रीमान रामनरेश सिंह जी एवम प्रधानाचार्य संदीप सिंह , वरिष्ठ समाजसेवी पूर्व पार्षद वरुण सिंह भी उपस्थित थे । मुख्य वक्ता विहिप के केंद्रीय मंत्री श्रीमान बसंत रथ जी ने कहा आज देश अमृत महोत्सव के माध्यम से अपने शहीदों को याद "१ देश के गौरवशाली इतिहास को याद कर रहा है । हमे अपने देश को हमेशा उन्नति के पथ पर ले जाना है । विशिष्ठ अतिथि विहिप महानगर उपाध्यक्ष धीरज सिंह ने कहा कहा अखंड भारत के सपने को साकार करने के लिए अपने अंदर राष्ट्र प्रेम को जिंदा रखते हुए जिम्मेदार नागरिक बनने की आवश्यकता है । समाजसेवी व पूर्व पार्षद वरुण सिंह ने कहा देश को आगे ले जाने के लिए तिरंगे के तीनों रंगों के भाव को समझना होगा । विद्यालय परिवार की ओर से अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया ।

अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में पवन पटेल ने किया रक्तदान

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। जहां एक तरफ देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है वही वाराणसी के समाजसेवी कुलदीप कनौजिया जरूरतमंद लोगों के लिए रक्तदान कराकर युवाओं के साथ अमृत महोत्सव मना रहे हैं इसी कड़ी में गोरखपुर के रहने वाला एक 8 साल का बच्चा अर्पित यादव जिसके पिता राघवेंद्र यादव माता बबीता देवी अपने बेटे को लेकर वाराणसी के होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल में एडमिट है रक्त के अभाव में काफी परेशान थे। किसी के माध्यम से समाजसेवी कुलदीप का नंबर परिजनों को उपलब्ध हुआ उन्होंने तत्काल इसकी सूचना कुलदीप कनौजिया को दिया कुलदीप ने अपने युवा साथी पवन पटेल जो कि मंडुवाडीह के निवासी हैं उन्होंने तत्काल उनको भेजा,पवन पटेल ने बच्चे के लिए रक्तदान कर उसकी जिंदगी बचाई,बच्चे के माता-पिता के चेहरे पर खुशी लौट आई,बनारस के समाजसेवी पवन पटेल ने सभी से अपील की कि बनारस के युवा समाजसेवी कुलदीप कनौजिया के इस मुहिम में उनका साथ दें ताकि हम सभी युवा साथी मिलकर लोगों की जिंदगी बचा सकें।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोड: 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालय: 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोड: 233001

सम्पर्क सूत्र: 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं